हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 220 बेमेतरा, शनिवार 04 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

अब भी वक्त है समझौता कर लो...

ईरान के महत्वपूर्ण ढांचे 37 हजार करोड़ का बी-1 ब्रिज तबाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सैन्य ताकत का बड़ा प्रदर्शन किया है। अमेरिकी वायुसेना ने एक सटीक स्ट्राइक में ईरान के सबसे महत्वपूर्ण और महंगे बुनियादी ढांचे में शामिल 37 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले रणनीतिक बी-1 ब्रिज को पूरी तरह जमींदोज कर दिया। यह ब्रिज न केवल ईरान की आर्थिक लाइफलाइन माना जाता था, बल्कि इसके जरिए सैन्य रसद की आपूर्ति भी सुगम होती थी। ट्रंप ने इस हमले के जरिए संदेश दिया है कि अमेरिका ईरान की कमर तोड़ने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इस हमले के बाद ईरान की परिवहन और सप्लाई चेन पूरी तरह बाधित हो गई है, जिससे तेहरान में हड़कंप मचा हुआ है। हमले के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सीधी चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा,ईरान के पास अब भी थोड़ा वक्त बचा है, मेरी शर्तों पर समझौता कर लो, वरना जो बचा है वह भी नहीं रहेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे और न ही अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने की इजाजत देंगे। ट्रंप के इस रुख से साफहै कि वह ईरान के साथ किसी भी नरम नीति के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने तेहरान को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने अपनी हरकतों से बाज नहीं आए, तो अगला हमला इससे भी ज्यादा विनाशकारी होगा, जिससे उबरना ईरान के लिए नामुमकिन होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस ब्रिज का तबाह होना ईरान के लिए केवल एक आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि एक बड़ी

रणनीतिक हार भी है। 37 हजार करोड़ रुपये की लागत वाला यह प्रोजेक्ट ईरान के 'विज़न' का हिस्सा था। इस पुल के टूटने से ईरान के भीतर हथियारों की आवाजाही और तेल के परिवहन पर सीधा असर पड़ा है। ट्रंप की इस रणनीति का मकसद ईरान को आर्थिक रूप से पंगु बनाना है ताकि वह युद्ध लड़ने की स्थिति में ही न रहे। इस हमले ने यह भी साबित कर दिया है कि अमेरिकी खुफिया तंत्र और मिसाइल तकनीक ईरान के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले ठिकानों को भी निशाना बनाने में पूरी तरह सक्षम है। ट्रंप की इस नई धमकी और कार्रवाई ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव को चरम पर पहुँचा दिया है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक डरे हुए हैं कि अगर ईरान ने इस हमले का पलटवार किया, तो डोनाल्ड ट्रंप परमाणु ठिकानों या तेल की मुख्य रिफाइनरियों पर हमला कर सकते हैं। इजरायल पहले से ही ईरान के खिलाफ मोर्चेबंदी कर रहा है, और अब अमेरिका के इस सीधे हस्तक्षेप ने युद्ध को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है। दुनिया भर की नजरें अब ईरान के सुप्रीम लीडर के अगले कदम पर टिकी हैं- क्या वे ट्रंप की शर्तों पर झुकेंगे या फिर मिडिल ईस्ट एक ऐसी तबाही का गवाह बनेगा जिसे रोकना किसी के बस में नहीं होगा। ईरान की इस खतरनाक लिस्ट में खाड़ी क्षेत्र के आर्थिक और परिवहन केंद्र शामिल हैं।

ईरान ने अमेरिका का सबसे घातक विमान एफ-35 के उड़ाए परखच्चे

ईरान ने एक और अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया है, जिसमें पायलट की जान बचने की संभावना नहीं है। यह दावा ईरानी सेना के खतम अल-अंबिया मुख्यालय के प्रवक्ता ने किया है। हालांकि, अमेरिका ने इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अगर यह दावा सही है, तो यह ईरान की ओर से अमेरिका के खिलाफएक बड़ा पलटवार माना जा सकता है। ईरान का दावा है कि उसने इस विमान को अपनी नई स्वदेशी एयर-डिफेंस सिस्टम से मार गिराया। ईरानी मीडिया ने हमले का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें मिसाइल बादलों को चीरते हुए एफ-35 की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। ईरान का कहना है कि उसकी नई एयर-डिफेंस प्रणाली ने इस अदृश्य विमान को ट्रैक कर उसे नष्ट कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर-पश्चिम राज्यों में आज से जोर पकड़ेगी बारिश, बर्फबारी, आंधड़ और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी

नईदिल्ली। देशभर में मार्च के बाद अब अप्रैल में भी मौसम में उथल-पुथल जारी है। गुरुवार (2 अप्रैल) से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जो उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 2-6 अप्रैल के बीच कई राज्यों में बारिश, बर्फबारी, आंधड़ और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। आज 11 राज्यों में मौसम बिगड़ने के आसार हैं। इस दौरान कई जगह 70 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। आईएमडी के मुताबिक, 2 अप्रैल को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर में बादल मेहरबान होंगे। 3-4 अप्रैल को कई इलाकों में ओलावृष्टि के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं, वहीं 3 अप्रैल को कश्मीर घाटी में भारी बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

सोनाली बेंद्रे मुश्किल में फंसी, पुणे के किसान ने लगाया धोखाधड़ी करने का आरोप

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और उनके पति गोल्डी बहल को लेकर बड़ी खबर आई है। पुणे के एक किसान ने उन पर जमीनी सौदे को लेकर धोखाधड़ी और नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। दावा किया गया है कि जिस जमीन को अभिनेत्री के पति द्वारा खरीदा गया है, उस पर 1957 से किसान के परिवार का पैतृक अधिकार है। आरोप है कि यह जानते हुए भी जमीन की अवैध खरीदारी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय किसान चंद्रकांत शिंदे ने वडगांव मावल के सिविल कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मावल के उकसान स्थित 30 गुंठा जमीन (करीब 32,000 वर्ग फुट) पर साल 1957 से पहले से उनके परिवार का कानूनी हक रहा है। आरोप है कि उनके अधिकारों की अनदेखी करते हुए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन बेची और खरीदी गई है। यही नहीं, संबंधित जमीन पर अवैध निर्माण की कोशिश करने का आरोप भी है।

पालतू कुत्ते के खरोंच को नजरअंदाज करने पर किशोरी की रेबीज से मौत

थूथुकुडी। तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में एक दुखद घटना में 11वीं कक्षा की एक 16 साल की छात्रा की रेबीज होने से मौत हो गई. कहा जा रहा है कि उसे अपने पालतू कुत्ते के खरोंचने की वजह से रेबीज हुआ था, जिसका इलाज नहीं किया गया. ओट्टापिदारम के पास पुथियामपुथुर की रहने वाली स्टूडेंट को करीब दो महीने पहले घर पर खेलते समय उसके पालतू कुत्ते ने खरोंच दिया था. परिवार के सूत्रों के मुताबिक उसे खरोंच गंभीर नहीं लगी और उसने अपने माता-पिता को नहीं बताया. 28 मार्च को उसे तेज बुखार हुआ. जब दवा से उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

चड्ढा ने पार्टी के विपरीत काम किया

राघव चड्ढा दबाव में काम कर रहे थे......

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को पार्टी सहयोगी एवं राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की आलोचना करते हुए कहा कि वह दबाव में काम कर रहे थे और उन्होंने आप आदमी पार्टी (आप) के रुख के विपरीत काम किया है। मान ने कहा कि अगर चड्ढा पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के नाम हटाने जैसे मुद्दों पर बोलने को तैयार नहीं हैं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद से बहिर्गमन नहीं करते हैं या गुजरात में कई 'आप' कार्यकर्ताओं और नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ आवाज नहीं उठाते हैं, तो यह पार्टी के रुख से अलग होना

है।मुख्यमंत्री यहां एक संवाददाता सम्मेलन में राघव चड्ढा के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। राज्यसभा सदस्य चड्ढा ने सदन में पार्टी के उपनेता पद से हटाए जाने के एक दिन बाद कहा कि मुझे चुप कराया गया है, लेकिन मैं पराजित नहीं हुआ हूं।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के विधायक राजेंद्र भारती, जिन्हें नई दिल्ली के राउज़ एवेन्यू स्थित एक विशेष एमपी-एमएलए अदालत द्वारा सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामले में तीन साल की जेल की सज़ा सुनाए जाने के बाद हिरासत में लिया गया, पुलिसकर्मियों के साथ।

चड्ढा से संजय सिंह ने मांगा जवाब

हम लोग केजरीवाल के सच्चे सिपाही......

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच मतभेद तेजी से बढ़ रहे हैं। पार्टी ने राघव चड्ढा को डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया है। साथ ही यह भी फैसला लिया गया है कि उन्हें संसद के अंदर बोलने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस कदम के बाद राघव चड्ढा लगातार सवाल उठा रहे हैं कि उन्होंने पार्टी के खिलाफ ऐसा क्या गलत किया है जिसके लिए उनके साथ यह व्यवहार किया जा रहा है। राघव चड्ढा द्वारा शेयर की गई वीडियो के जवाब में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राघव चड्ढा पर कई गंभीर

आरोप लगाए हैं। संजय सिंह ने कहा कि राघव चड्ढा पार्टी की लाइन से अलग होकर काम करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सीईसी में प्रस्ताव आता है तो राघव चड्ढा उस पर हस्ताक्षर नहीं करते।

यूडीएफ की साजिश सफल नहीं होने देंगे

बरपेटा में गरजे-योगी कांग्रेस और यूडीएफ दोनो घुसपैठियों के साथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शुक्रवार को असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक तरफ ह्रष्ठ की भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की सरकार जिसने भारत की संस्कृति, भारत की परंपरा और भारत की विरासत को सदैव आगे बढ़ाने का काम है। वहीं, एक तरफ ह्रष्ठ की भारतीय जनता पार्टी की नेतृत्व वाली सरकार जो सुरक्षा भी दे रही है और सुशासन के लक्ष्य को भी प्राप्त कर रही है।चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बीजेपी

सरकार सेवा के माध्यम से बिना भेदभाव के शासन की योजना का लाभ हर गांव, गरीब, किसान, युवा और महिला तक पहुंचाने का काम कर रही है। एक और ह्रष्ठ डबल इंजन की सरकार 10 वर्ष के अंदर असम की कायाकल्प को बदलने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दी तो दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने 60 वर्षों तक असम के अंदर अराजकता, दंगों, घुसपैठ को बढ़ावा देकर यहां की सुरक्षा में रोक लगाने का काम किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने असम में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान शुक्रवार को बरपेटा विधानसभा सीट पर एनडीए के उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में रैली की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बरपेटा में अपनी पहली सभा में कांग्रेस के साथ यूडीएफ पर जमकर हमला बोला और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और यूडीएफने इस पवित्र धरती पर घुसपैठियों और दंगाइयों को ठिकाना दिया।

आयात में विविधता, नियमों में छूट; ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़े कदम उठा रही भारत सरकार

नईदिल्ली। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोज मिले-जुले संकेत दे रहे हैं। इससे युद्धविराम को लेकर अनिश्चितताएं और बढ़ गई हैं। इस बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू अर्थव्यवस्था पर असर को कम करने के लिए बहुस्तरीय रणनीति पर काम कर रहा है। इसमें तेल और गैस आयात में विविधता लाना, महंगाई पर लगाम, उर्वरक और कृषि क्षेत्र को राहत के लिए कदम जैसे उपाय शामिल हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। होर्मुज जलडमरुमध्य बंद होने से इस आयात पर भारी असर पड़ा है।

असम में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी

शाह ने कहा कांग्रेस ने यहाँ सिर्फ चुनाव लड़ने का काम किया है

असम/ एजेंसी

असम में चुनाव प्रचार के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी सिलसिले में गृह मंत्री अमित शाह ने गोलपारा के दुधनोई में एक बड़ी जनसभा की। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कामरूप में रैली को संबोधित किया। दोनों नेताओं ने कांग्रेस पर तीखे हमले किए और भाजपा के विकास कामों को गिनाया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने यहाँ सिर्फ चुनाव लड़ने का काम किया, लेकिन आदिवासियों के कल्याण पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि 75 साल में कांग्रेस ने किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति

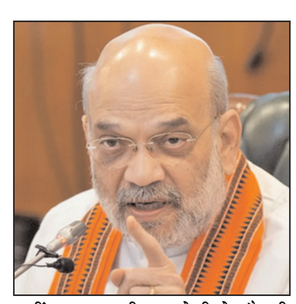

नहीं बनाया। पीएम मोदी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समाज का सम्मान बढ़ाया। शाह ने बताया कि 2013 तक आदिवासियों का बजट सिर्फ 25 हजार करोड़ रुपये था, जिसे पीएम मोदी ने बढ़ाकर 1 लाख 38 हजार करोड़ रुपये कर दिया। उन्होंने आदिवासी संस्कृति, संगीत और कला को विश्व भर में बढ़ाने का काम किया है। शाह ने दुधनोई नदी का जिक्र करते हुए कहा कि इसे दूध की नदी कहते हैं, लेकिन यहाँ एक भी डेयरी नहीं है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार हर जिले में बड़ी डेयरी खोलेगी और हर आदिवासी परिवार को एक गाय और एक भैंस देगी। शाह ने कांग्रेस पर असम को घुसपैठियों का अड्डा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस आई, तो घुसपैठिए आदिवासी इलाकों में भी घुस जाएंगे। शाह ने वादा किया कि भाजपा सरकार अगले पांच साल में चुन-चुनकर सभी घुसपैठियों को बाहर निकालेगी।

राघव अकेले नहीं-कई संघर्षों के साथी छोड़ गए साथ

इनसे पहले दर्जन भर नेताओं को निपटा चुके हैं अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी में मचे घमासान के बीच राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बागी सुरों ने एक पुरानी बहस को फिर हवा दे दी है। 'खामोश करवाया गया हूँ, हारा नहीं हूँ' जैसे बयानों के साथ चड्ढा ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। उनके इस बयान के बाद पार्टी की तरफसे भी पहले सौरभ भारद्वाज फिर अनुराग ढांडा ने आकर आरोपों की बौछार की है। पार्टी का कहना है कि राघव चड्ढा अब अरविंद केजरीवाल के सिपाही नहीं रहे हैं और सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने से घबराने लगे हैं। अनुराग ढांडा ने कहा,हम केजरीवाल के सिपाही हैं। निडरता हमारी पहली पहचान है। जो डर जाए, वो देश के लिए क्या लड़ेगा ?बहरहाल तब से अब तक यमुना में काफी पानी बह गया और देखते ही देखते कहानी ने जबर्दस्त मोड़ ले लिया है। अब राघव चड्ढा उन दिग्गजों की फेहरिस्त में शामिल होते दिख रहे हैं, जिन्होंने कभी अरविंद केजरीवाल के कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी खड़ी की थी, लेकिन बाद में रास्ते जुदा कर लिए। आम आदमी पार्टी के गठन के बाद से अब तक कई नेताओं ने भी,क्क से दूरी बना ली है। इनमें राजेंद्र पाल गौतम, योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे दिग्गज शामिल हैं। इस लिस्ट में अब राघव चड्ढा का नाम भी शामिल होता दिख रहा है। जनवरी 2024 में आम आदमी पार्टी ने स्वाति मालीवाल को राज्यसभा भेजा था। मार्च 2024 में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद स्वाति मालीवाल विदेश चली गईं, जिसे उन्होंने व्यक्तिगत कारण बताया। मई में

जब केजरीवाल जेल से बाहर आए, तो मालीवाल उनसे मिलने पहुंचीं। मालीवाल का आरोप है कि इसी दौरान केजरीवाल के निजी सचिव ने उनके साथ मारपीट की। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के अनुसार, निजी सचिव बिभव ने उन्हें 8 थप्पड़ मारे। इस मामले में पार्टी नेतृत्व ने बिभव का समर्थन किया, जिसके बाद मालीवाल ने पार्टी के खिलाफ रुख अपनाया। उनका कहना था कि किसी दबाव के कारण केजरीवाल और पार्टी ने बिभव पर कार्रवाई नहीं की। 28 मार्च 2015 को आम आदमी पार्टी ने योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण को राष्ट्रीय कार्यकारिणी से हटा दिया। उस समय दिल्ली में राष्ट्रीय परिषद की बैठक चल रही थी, लेकिन दोनों नेता बीच में ही बैठक छोड़कर बाहर आ गए। उस दौरान, योगेंद्र यादव ने कहा कि बैठक में लोकतंत्र की अनदेखी हुई, जबकि प्रशांत भूषण ने इसे उनके खिलाफ साजिश बताया। उनका आरोप था कि कुछ लोगों के साथ मारपीट भी हुई। पार्टी नेता प्रोफेसर आनंद कुमार ने भी कहा कि बैठक की कार्यवाही लोकतांत्रिक नहीं थी और उन्हें अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिला। वरिष्ठ नेता और मशहूर वकील शांति भूषण को भी धीरे-धीरे पार्टी से किनारे कर दिया गया। वे भी पार्टी में केंद्रीकरण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। शुरुआती दौर से जुड़े प्रो. आनंद कुमार ने एक व्यक्ति, एक पद की मांग उठाई थी।

खामोश करवाया गया हूं हारा नहीं हूं-राघव चड्ढा

राज्यसभा के उपनेता पद से हटाए जाने के बाद यह उनकी पहली प्रतिक्रिया है। उन्होंने सीधे तौर पर अपनी ही पार्टी का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें खामोश करने की कोशिश की गई है, लेकिन वे हारे नहीं हैं। राघव चड्ढा के मुताबिक, उन्हें जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की वजह से पार्टी की ओर से झटका मिला है। उन्होंने सवाल किया,क्या जनता के मुद्दे उठाना कोई अपराध है? उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर अपना पक्ष सामने रखा, जिसमें उन्होंने कहा कि वे लगातार आम लोगों से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाते रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उन्हें दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि जब भी उन्हें संसद में बोलने का अवसर मिलता है, वे हमेशा जनता से जुड़े मुद्दे उठाते हैं और अक्सर ऐसे विषय सामने रखते हैं, जिन पर आमतौर पर चर्चा नहीं होती।

जनसुनवाई के नाम पर खानापूर्ति, राजस्व की भूख में बीमारियों पर पर्दा

डोलोमाइट का धंधा तेज, लोगों की सांसें धीमी

file photo

रायगढ़/मूक पत्रिका

सरिया, बरमकेला और चंद्रपुर के बीच फैला डोलोमाइट का क्लस्टर अब सिर्फ खनन क्षेत्र नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे एक बीमार भूगोल में बदलता जा रहा है। वर्षों से चल रहे खदान और क्रशर कारोबार ने इलाके की हवा, पानी और जमीन को इस कदर प्रभावित किया है कि यहां रहने वाले लोगों की जिंदगी धूल के साथ घुलती नजर आ रही है। इसके बावजूद शासन और प्रशासन की प्राथमिकता साफ दिख रही है, राजस्व बढ़ाना, चाहे इसके लिए लोगों की सेहत ही क्यों न गिरवी रखनी पड़े।आने वाले 6 और 7 अप्रैल को कटंगपाली और साल्हेओना क्षेत्र में पांच फर्मों द्वारा डोलोमाइट उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। कागजों में इसे जनभागीदारी और पारदर्शिता का उत्सव बताया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह प्रक्रिया अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाती है। इन प्रस्तावों के लागू होने के बाद क्षेत्र से हर साल लगभग 5 लाख टन अतिरिक्त डोलोमाइट निकाला जाएगा, जिससे सरकारी खजाना तो जरूर भरेगा, लेकिन स्थानीय लोगों के फेफड़े और ज्यादा खाली होते जाएंगे। सबसे गंभीर पहलू यह है कि इतने वर्षों के खनन और क्रशर संचालन के बावजूद यहां काम करने वाले मजदूरों और आसपास के निवासियों के लिए किसी प्रकार की नियमित स्वास्थ्य जांच की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। डोलोमाइट डस्ट से होने वाली सांस और फेफड़ों की बीमारियां धीरे-धीरे लोगों को जकड़ रही हैं, लेकिन न तो इन बीमारियों का कोई आधिकारिक आंकड़ा है और न ही इनसे निपटने की कोई ठोस योजना। 7 अप्रैल 2026 को आर्यन मिनरल्स एंड मेटल्स प्रालि की जनसुनवाई प्रस्तावित है, जिसमें क्रशर की उत्पादन क्षमता को एक लाख टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 2,00,198 टन करने का दावा किया गया है। कंपनी को वर्ष 2017 में लीज स्वीकृत की गई थी और जोतपुर, दुलमपुर तथा मौहापाली में लगभग 4.961 हेक्टेयर भूमि पर इसका संचालन हो रहा है। लीज की अवधि 24 जुलाई 2067 तक निर्धारित है, यानी आने वाले चार दशकों तक इस क्षेत्र में धूल और प्रदूषण का यह सिलसिला जारी रहने की पूरी तैयारी है।प्रशासनिक उत्साह का आलम यह है कि संभावित राजस्व को लेकर योजनाएं बनाई जा रही हैं, लेकिन इस विकास की कीमत कौन चुका रहा है, इस सवाल पर खामोशी पसरी हुई है। जनसुनवाई में अक्सर वही आवाजें सुनी जाती हैं जो पहले से तय होती हैं, जबकि असली प्रभावित लोग या तो अनजान रहते हैं या उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

राजस्व बनाम स्वास्थ्य-सरकार के लिए डोलोमाइट उत्पादन बढ़ाना आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद सौदा है। लाखों टन अतिरिक्त उत्पादन का मतलब करोड़ों रुपये का राजस्व, लेकिन इस गणित में स्थानीय लोगों की सेहत कहीं फिट नहीं बैठती। न तो स्वास्थ्य सर्वे हुआ, न ही प्रदूषण के असर का कोई गंभीर अध्ययन, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या राजस्व के लिए लोगों की जिंदगी सस्ती हो गई है।

जनसुनवाई या औपचारिकता-जनसुनवाई का उद्देश्य आम जनता की राय लेना होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह प्रक्रिया अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाती है। प्रभावित गांवों में पर्याप्त सूचना का अभाव, तकनीकी दस्तावेजों की जटिलता और प्रशासनिक दबाव के चलते वास्तविक विरोध सामने नहीं आ पाता। नतीजा यह होता है कि परियोजनाएं पास हो जाती हैं और जनता सिर्फ धूल निगलने को मजबूर रह जाती है।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पवनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पवनी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रशासनिक व्यवस्थाओं को परखा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और संवेदनशीलता पर भी कड़ा रुख अपनाया। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले ओपीडी (OPD) का रुख किया, जहाँ उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर की जाँच की और यह सुनिश्चित किया कि सभी डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ अपनी ड्यूटी पर तैनात थे उन्होंने लैब में जाकर परीक्षण किट्स की उपलब्धता और मशीनों की कार्यक्षमता को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि सामान्य रक्त परीक्षणों के लिए मरीजों को जिला अस्पताल या निजी केंद्रों पर न भटकना पड़े। स्टोर रूम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने 'स्टॉक रजिस्टर' का मिलान भौतिक स्टॉक से किया। उन्होंने एक्सपायरी दवाओं के निस्तारण और जीवन रक्षक दवाओं (Life-saving drugs) की 24×7 उपलब्धता बनाए रखने की सख्त हिदायत दी। मातृत्व सेवाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रसव कक्ष में स्वच्छता और आवश्यक उपकरणों की स्थिति देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रसूताओं को शासन द्वारा निर्धारित सभी लाभ और पौष्टिक आहार समय पर मिलना चाहिए। कलेक्टर ने साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने पर जोर दिया।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने पंचायत विभाग के विकासमूलक कार्यों का समीक्षा कर योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए

पीएम आवास के कार्यों में तेजी लाने तथा फील्ड में जाकर हितग्राही को हरसंभव मदद करने के निर्देश

मनरेगा के मोर गांव मोर पानी मोर तरिया थीम पर नवीन तालाब बनाकर स्वसहायता समूह को आजीविका कार्य देने के निर्देश

एससी, ओबीसी और मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण, डीएमएफऔर अन्य निर्माण की समीक्षा कर समय सीमा में कार्यों को गुणवत्तासहित पूर्ण करने के निर्देश

रायगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 3 अप्रैल 2026/ कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रगतिरत कार्यों का मैराथन बैठक लेकर विभिन्न विकासमूलक कार्यों का समीक्षा कर कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बैठक की शुरुआत में कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास के कार्यों में पंचायत से जुड़े पंचायत सदस्यों, अधिकारियों कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इन कार्यों को अच्छे ढंग से सभी पंचायतकर्मी करें। साथ ही पुराने अधूरे कार्य का पंचायतों से वसूली करने के लिए एसडीएम को धारा 92 के तहत वसूली कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने वर्ष 2016-2023 तक के कुल 47 हजार पीएम आवास में अपूर्ण 2 हजार आवास को अगस्त 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 30 हजार पीएम आवास और वर्ष 2025- 26 में स्वीकृत 10 हजार पीएम आवास को फील्ड में जाकर हितग्राहियों से बात कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे हितग्राहियों जिनके नींव स्तर पर कार्य हुए हैं या जिसने कार्य शुरू नहीं किया है वो 10 दिन के भीतर काम शुरू कर बरसात के पहले पीएम आवास कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। सभी ग्राम पंचायत में स्वीकृत मनरेगा कार्य कर जल संवर्धन से संबंधित डबरी, नया तालाब, तालाब गहरीकरण, चेकडेम और हितग्राही मूलक कार्य एवं आंगनबाड़ियों में संबंधित कार्यों का प्रस्ताव लेकर कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिए। वहीं पुराने लंबित कार्यों को दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। ओबीसी प्राधिकरण, मध्य क्षेत्र प्राधिकरण, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, जिला खनिज न्यास मद के पुराने लंबित कार्यों को 15 दिवस में पूर्ण करने और नए स्वीकृत कार्यों को जुलाई 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ, सभी इंजीनियर और पीओ मनरेगा को फील्ड में दौरा करने तथा कार्यों की गुणवत्ता सही तरीके से करने के निर्देश दिए। कार्य की गुणवत्ता खराब होने पर और घटिया क्वालिटी के कार्य करने पर उनके विरुद्ध जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन को कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम वर्षा बंसल, सभी जनपद सीईओ, एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी, समस्त तकनीकी सहायक उपस्थित थे।

ग्राम अमचो में बड़ी हर्सोल्लास के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले के अंतिम छोर पर बसे छोटा सा गांव अमचो में हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही रही। जगह-जगह वीर हनुमाना अति बलवाना..., प्यारे बजरंग बली... आदि भजनों की गूंज रही। विभिन्न स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया था।

वर्षो साल पुराना पीपल पेड़ के गोद मे स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में विशेष आयोजन हुए। दिन की शुरुआत हवन-यज्ञ के साथ हुई। इसके बाद मंदिर में सुंदरकांड का पाठ हुआ। दोपहर में महाआरती की। पूजा के बाद श्रद्धालुओं को खीर पूड़ी और लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया। राहगीर को भी प्रसाद के साथ-साथ मीठा पानी भी वितरित किया गया यह आयोजन में प्रांजल, चिंतामणि चंद्राकर, युवराज चंद्राकर दुष्यंत, ओमप्रकाश चंद्राकर, जितेंद्र, खिलेश पिंटू दीनबंधु, धीरज चंद्राकर, नंदकुमार, जितेंद्र, रामेश्वर,रामकिशन और वासु सहित समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

ओड़ेकेरा में तेंदवाही तालाब में भारी मात्रा में अवैध महुआ पास को जैजैपुर पुलिस ने किया नष्ट

जैजैपुर/मूक पत्रिका

जिला सक्ती के जैजैपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस की कार्यवाही।पुलिस अधीक्षक महोदय प्रफुल्ल कुमार ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय पंकज पटेल पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सक्ती श्रीमति भुनेश्वरी पैंकरा द्वारा अवैध शराब निर्माण, संग्रहण एवं बिक्री करने वालो के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही किये जाने दिए गए निर्देश के परिपालन में थाना जैजैपुर पुलिस द्वारा दिनांक 03.04.2026 को मुखबीर सूचना मिला कि ग्राम ग्राम ओड़ेकेरा के तेंदवाही तालाब पार में शराब बनाने हेतु भारी मात्रा में महुआ पास (कच्चा माल) डूबाकर रखे हैं कि सूचना पर ग्राम ओड़ेकेरा के तेंदवाही तालाब में रेड कार्यवाही किया गया जो तेंदवाही तालाब में भारी मात्रा में अवैध रूप से महुआ पास (कच्चा माल) मिलने पर उक्त महुआ पास (कच्चा माल) को नष्टीकरण किया गया। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह चन्द्रा, प्र0आर0 330 परमानंद घृतलहरे, आर0 292 मनोज लहरे, 184 राधेश्याम टण्डन का विशेष योगदान रहा। भविष्य में अवैध शराब कोचिया लोगों के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर पवनी पहुंचे कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, हनुमान जी का किए दर्शन

पवनी का प्रसिद्ध हनुमान मंदिर बना आस्था का केंद्र, पत्थर पर पदचिह्न हैं विशेष आकर्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ ब्लॉक के नगर पंचायत पवनी में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली और पूरा वातावरण भक्ति भावना से ओत-प्रोत रहा। यह प्रसिद्ध हनुमान मंदिर बिलाईगढ़ रोड पर स्थित है, जहां हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां एक बड़े पत्थर पर हनुमान जी के पदचिह्न मौजूद हैं, जो इस मंदिर को विशेष रूप से प्रसिद्ध बनाते हैं। मंदिर के पुजारी वैष्णव ने बताया कि यही पवित्र चिन्ह श्रद्धालुओं की आस्था का मुख्य केंद्र है और दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने मंदिर में पूजा-अर्चना करने के पश्चात मंदिर समिति के सदस्यों से भी मुलाकात की और मंदिर में संचालित धार्मिक गतिविधियों की जानकारी ली। समिति द्वारा बताया गया कि यहां प्रत्येक मंगलवार को नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस दौरान कलेक्टर ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की। मंदिर समितियों के द्वारा मंदिर प्रांगण में बैठने के लिए शेड (सेट) निर्माण कराने की आवश्यकता पर भी चर्चा किया, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से राहत मिल सके। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था और श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं अन्य व्यवस्थाएं भी की गई थीं। प्रशासन की ओर से भी भीड़ को नियंत्रित करने एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे।इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, एसडीएम प्रफुल रजक, तहसीलदार कमलेश सिदार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

घरघोड़ा की बेटी दिव्या पैंकरा बनीं एसआई, प्रथम आगमन पर नगर में जोरदार स्वागत

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

नगर की होनहार बेटी दिव्या पैंकरा के सब इंस्पेक्टर (स.ढ़.) पद पर नव नियुक्ति के बाद प्रथम बार गृह नगर आगमन पर पूरे घरघोड़ा में हर्ष और गौरव का माहौल देखने को मिला। नगरवासी बड़ी संख्या में स्वागत के लिए उमड़ पड़े और जगह-जगह पुष्पमालाओं, मिठाइयों एवं आतिशी उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया।दिव्या पैंकरा, स्वर्गीय निलाम्बर पैंकरा की सुपुत्री एवं मालती पैंकरा की पुत्री हैं। वे वार्ड क्रमांक 14, नेगीपारा, घरघोड़ा की निवासी हैं। एक साधारण किसान एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से निकलकर उन्होंने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जिससे पूरे नगर सहित क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है।गृह वार्ड में घर-घर में उनका अभिनंदन किया गया, वहीं पार्षद तिलेश्वर पैंकरा ऐसे के नेतृत्व में शानदार कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक, युवा, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। सभी ने दिव्या को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।नगरवासियों ने कहा कि दिव्या पैंकरा की यह उपलब्धि मेहनत, लगन और संघर्ष का प्रेरणादायक उदाहरण है, जो क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए मिसाल बनेगी। किसान परिवार की बेटी का इस मुकाम तक पहुंचना घरघोड़ा ही नहीं बल्कि पूरे रायगढ़ जिले के लिए गौरव और सम्मान का विषय है।दिव्या पैंकरा की सफलता से नगरवासी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और हर ओर खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा देगी। ÷घरघोड़ा कंवर युवा शक्ति है एक, लक्ष्य और संकल्प अनेक, समाज उत्थान में साथ चलें, मिलकर एक तीर एक कमान समान।÷

अस्पताल पहुंचे कलेक्टर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने किया पवनी स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

मरीजों से इलाज, दवाइयों और सुविधाओं की ली जानकारी, ओपीडी, लैब, स्टोर और प्रसव कक्ष का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाएं सुधारने दिए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने हनुमान जयंती के दिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पवनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मौके पर मौजूद स्टाफसे चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने सबसे पहले अस्पताल में उपस्थित मरीजों से बात कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति और उपचार व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। मरीजों से बातचीत के दौरान उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, डॉक्टरों की उपस्थिति और उपचार में किसी प्रकार की परेशानी के बारे में पूछा। साथ ही उन्होंने स्टाफको निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दवा स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी लिया कलेक्टर ने अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी व्यवस्थाओं की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने जानकारी ली कि प्रतिदिन कितने मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि आसपास के क्षेत्रों से 70 से अधिक मरीज प्रतिदिन ओपीडी में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।उन्होंने लैब कक्ष एवं स्टाफ रूम का भी निरीक्षण किया और वहां की साफ-सफाई, उपकरणों की उपलब्धता तथा कार्यप्रणाली की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है, जिससे मरीजों को बेहतर माहौल मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पीएनसी वार्ड एवं प्रसव कक्ष का निरीक्षण कर डिलीवरी केस की जानकारी ली।

अधिकारियों ने बताया कि यह 10 बिस्तरों वाला अस्पताल है और यहां प्रतिवर्ष 139 से अधिक सामान्य प्रसव सफलतापूर्वक कराए जा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत किया जाए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए, साथ ही दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता, नियमित जांच और आपातकालीन सेवाओं को प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, एसडीएम प्रफुल रजक, तहसीलदार कमलेश सिदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भंडारे का प्रसाद

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले में बिते गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व से ही अखंड रामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ, जो लगातार 24 घंटे तक चला। इस दौरान जिले की चार प्रमुख मंडलियों ने मानस गायन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। माई दंतेश्वरी मंडली के अध्यक्ष अशोक द्विवेदी, महेंद्र द्विवेदी, रिकुं द्विवेदी सहित मुख्य गायक जगदीश झाड़ी, संतोष एड्रिक, तेनजिंग गोग और वादक राजकुमार गुप्ता ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं बजरंग मानस सेवा समिति के अध्यक्ष टीआर पात्रे के नेतृत्व में राम यज्ञ विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, रुद्र नारायण आचार्य और सिरोज विश्वकर्मा ने भी भजन-कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति दी। महिला मंडलियों में श्रीरामचरित मानस मंडली भट्टीपारा की अध्यक्ष पुष्पा राव और सुरजा यादव तथा आध्या रामायण मंडली बीजापुर की सीमा डोंगरे, रानू डोंगरे व उनकी टीम ने रात्रिकालीन मानस गायन से श्रद्धालुओं का मन जीत लिया।

अखंड पाठ के समापन के बाद विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को और विशेष बनाते हुए आने-जाने वाले लोगों के लिए शरबत की व्यवस्था भी की गई। मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नगरवासियों का भरपूर सहयोग मिला, जिससे कार्यक्रम भव्य रूप में संपन्न हुआ। आयोजन में मॉर्निंग वॉकिंग ग्रुप के अध्यक्ष मधु कटला, कोषाध्यक्ष आदित्य मिश्रा, मनोज शाह सहित कई गणमान्य नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। हनुमान जन्मोत्सव के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की भी मंदिर में उपस्थिति रही। एसडीएम जागेश्वर कौशल ने संगीतमय भजन-कीर्तन में भाग लेते हुए आरती प्रस्तुत की, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं जिले के भाजपा नेताओं और महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने भी मंदिर पहुंचकर बजरंगबली के समक्ष माथा टेकते हुए नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

भंडारे के सफल आयोजन में नगर पालिका द्वारा पानी के दो टैंकर उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही स्थानीय व्यापारियों का भी सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य पुजारी अशोक मिश्रा ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कांकेर पुलिस की पहल: सड़क सुरक्षा के लिए जवानों को रेडियम जैकेट, बैटन लाइट और सोलर लाइट वितरण

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/-कांकेर 03 अप्रैल जिला उत्तर बस्तर कांकेर में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं चौकी में ड्यूटी के दौरान उपयोग के लिए सुरक्षा उपकरणों का वितरण किया गया। इस अभियान के तहत पुलिसकर्मियों को रेडियम पट्टी युक्त जैकेट, बैटन लाइट और सोलर लाइट उपलब्ध कराई गई है। इन उपकरणों के माध्यम से विशेष रूप से रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को यातायात नियंत्रण और जांच कार्य में काफी सुविधा मिलेगी। रेडियम पट्टी युक्त जैकेट के कारण रात या कम दृश्यता की स्थिति (कोहरा अथवा अंधेरा) में पुलिसकर्मी दूर से ही दिखाई देंगे, जिससे वाहन चालक समय रहते सतर्क हो सकेंगे और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी। वहीं बैटन लाइट की मदद से पुलिसकर्मी वाहन चालकों को रुकने, आगे बढ़ने या दिशा बदलने के स्पष्ट संकेत दे सकेंगे, जो खासकर रात के समय यातायात नियंत्रण में उपयोगी साबित होगा। इसके अलावा सोलर लाइट से चेकिंग के दौरान बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी, जिससे संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की सुरक्षित एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित की जा सकेगी। यह उपकरण अंधेरे क्षेत्रों में ड्यूटी को आसान बनाने में भी मदद करेगा। कांकेर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें तथा सुरक्षित वाहन चलाकर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में पुलिस का सहयोग करें।

बिलाईगढ़ के कस्तूरबा छात्रावास का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा औचक निरीक्षण

भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई सुधारने के दिए कड़े निर्देश

कलेक्टर ने कमरों का निरीक्षण कर छात्राओं से पढ़ाई और छात्रावास व्यवस्था की ली जानकारी

वाशरूम की स्थिति ठीक नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आदिवासी छात्रावास का गुरुवार को औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रही छात्राओं की पढ़ाई, भोजन व्यवस्था और साफ-सफाई की स्थिति को बारीकी से देखा तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया कि छात्रावास में वर्तमान में 82 छात्राएं निवासरत हैं और यहां कक्षा 6वीं से 8वीं तक का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर ने सबसे पहले भोजन कक्ष का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने छात्राओं से सीधे बातचीत कर भोजन के बारे में जानकारी ली और पूछा कि उन्हें समय पर और अच्छा भोजन मिल रहा है या नहीं। इसके बाद कलेक्टर ने छात्रावास के कमरों का निरीक्षण किया, जहां 9वीं से 12वीं तक की छात्राएं अध्ययन कर रही थीं। उन्होंने कमरों में रहने की व्यवस्था, छात्रों की संख्या और सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। कक्षा 11वीं की छात्रा मीनाक्षी से बातचीत करते हुए कलेक्टर ने पढ़ाई की स्थिति के बारे में पूछा और यह भी जाना कि एक कमरे में कितनी छात्राएं रहती हैं। निरीक्षण के दौरान छात्रावास के वाशरूम की स्थिति ठीक नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, भोजन की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा सब्जी और अन्य खाद्य सामग्री बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित निगरानी रखने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, एसडीएम प्रफुल्ल रजक, तहसीलदार कमलेश सिदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गुड फाइडे पर मसीही समाज ने निकाली विशाल रैली, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया के सौजन्य से किया गया शरबत वितरण

बीजापुर/मूक पत्रिका

गुड फ्राइडे के अवसर पर मसीही समाज ने विशाल धार्मिक रैली निकाला। यह रैली कलेक्टर कार्यालय के पीछे स्थित मेथोडिस्ट चर्च से प्रारंभ होकर कैथोलिक चर्च भट्टीपारा में सम्पन्न हुई। इस रैली में नगर के सभी चर्चों के भक्त बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिससे पूरे मार्ग में श्रद्धा और आस्था का वातावरण बना रहा। रैली के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। लोग प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को स्मरण करते हुए प्रार्थना और भक्ति में लीन नजर आए। इस आयोजन के माध्यम से नगर में एकता, शांति और भाईचारे का संदेश भी दिया गया । इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नीना रावतिया उददे के सौजन्य से श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण का आयोजन किया गया। गर्मी के इस मौसम में श्रद्धालुओं को राहत देने हेतु किए गए इस सेवा कार्य की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ ।

कलेक्टर निर्देशन में करही के अवैध खनिज उत्खनन व परिवहन पर कार्यवाही

बीजापुर /मूक पत्रिका

सक्तीः-कलेक्टर के निर्देशन जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सक्ती के मार्गदर्शन में तहसील हसौद अंतर्गत ग्राम करही में रात्रि लगभग 10 बजे कार्यवाही करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त एक हाइवा और एक ट्रैक्टर-लोडर को मौके से जब्त किया गया। यह कार्यवाही खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। उक्त प्रकरण में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर तोपनो के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।

मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण देश में महंगाई का तांडव - राजेश अग्रवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर चांपा के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलताओं की कीमत आज देश की आम जनता को भारी महंगाई के रूप में चुकानी पड़ रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का एकमात्र लक्ष्य अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुँचाना है, जबकि आम आदमी का घरेलू बजट पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। आसमान छूते गैस और पेट्रोल के दाम ?जिलाध्यक्ष ने आंकड़ों के साथ सरकार को घेरते हुए कहा कि कमर्शियल गैस के दामों में 195 रुपये की ताजी बढ़ोतरी जनता की कमर तोड़ने वाली है। पिछले तीन महीनों के भीतर ही कमर्शियल गैस के दाम 525 रुपये बढ़ा दिए गए हैं। पिछले हफ्ते घरेलू गैस में 62 रुपये की वृद्धि की गई। जो सिलेंडर भाजपा को 400 रुपये में महंगा लगता था, आज उसे 1000 रुपये के पार पहुँचा दिया गया है। एक्साइज ड्यूटी कम करने का ढोंग रचने वाली सरकार के राज में आज फिर पेट्रोल के दाम 1 रुपये से अधिक बढ़ गए हैं। जैसे पंपों पर तो यह बढ़ोतरी 4 रुपये तक देखी गई है। एविएशन फ्यूल (ञ्जस्न) की कीमतों में वृद्धि के कारण अब हवाई यात्रा भी आम आदमी की पहुँच से बाहर होती जा रही है।किचन का बजट हुआ बेकाबू - कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि खाद्य तेल, मावा और राशन सामग्री के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं।÷जिस खाद्य तेल को 70 रुपये प्रति लीटर तक पहुँचने में 70 साल लगे थे, मोदी राज के चंद दिनों में वह 200 रुपये के पार निकल गया है। दूध से लेकर नमक तक, सब कुछ महंगा कर मोदी सरकार ने आम आदमी की थाली से निवाला छीन लिया है।÷आर्थिक असमानता और पूंजीपति प्रेम - जिलाध्यक्ष ने कहा गया कि भाजपा सरकार में देश के संसाधन और सार्वजनिक उपक्रम केवल चुनिंदा पूंजीपति मित्रों को सौंपे जा रहे हैं। मनमोहन सिंह सरकार द्वारा दी गई रोजगार की कानूनी गारंटी (मनरेगा) को मोदी सरकार ने महज एक योजना बनाकर गरीबों का हक छीन लिया है। सरकार के संरक्षण में बैंक अब आम खाताधारकों पर तरह-तरह के सेवा शुल्क लगाकर उन्हें खुलेआम लूट रहे हैं। रेलवे टिकट से लेकर स्कूल-कॉलेज की फीस तक कई गुना बढ़ चुकी है।कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि महंगाई आज 'भाजपा निर्मित आपदा' बन चुकी है। देश में बढ़ती आर्थिक असमानता सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है। आम जनता आज परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि सरकार केवल प्रचार और विज्ञापन में व्यस्त है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस ली जाएं और जनता को वास्तविक राहत दी जाए।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के प्रयासों को मिली सफलताः आरंग क्षेत्र को ?8.57 करोड़ की दो बड़ी सड़क सौगातें

आरंग/रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के निर्देशों के बाद आरंग विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति तेज हो गई है। कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप शासन ने क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए कुल ?857.40 लाख की प्रशासकीय और संशोधित स्वीकृति जारी कर दी है। इन परियोजनाओं से दर्जनों गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

1. बनरसी से परसकोल मार्गः 583.76 लाख की मंजूरी-रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के अंतर्गत बनरसी से परसकोल मार्ग (लंबाई 3.40 कि.मी.) के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग (PWD) ने 583.76 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्य विशेषताएंः इस परियोजना में सड़क के साथ-साथ आवश्यक पुल-पुलियों का निर्माण भी शामिल है। ?समय-सीमा और गुणवत्ताः शासन ने स्पष्ट किया है कि कार्य को निर्धारित समय में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करना अनिवार्य होगा। पारदर्शिताः निविदा प्रक्रिया प्रमुख अभियंता कार्यालय के माध्यम से पूरी तरह पारदर्शी रखी जाएगी।2. चकवे से परसदा मार्गः बजट में वृद्धि, अब 2.73 करोड़ से होगा निर्माण विधायक के हस्तक्षेप और तकनीकी सुधारों के बाद चकवे से परसदा मार्ग (लंबाई 2.00 कि.मी.) के लिए संशोधित प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। ?संशोधन का कारणः पूर्व में स्वीकृत ?217.53 लाख की राशि में लिपिकीय त्रुटि सुधार और वास्तविक लागत के आधार पर इसे बढ़ाकर अब ?273.64 लाख कर दिया गया है। ?उद्देश्यः इस राशि की वृद्धि से निर्माण कार्य में आ रही बाधाएं दूर होंगी और कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न होगा। क्षेत्र के आर्थिक विकास को मिलेगी गति.?इन दोनों सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिलेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से स्थानीय किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुँचाने में आसानी होगी और विद्यार्थियों व मरीजों को समय पर शहर पहुँचने में मदद मिलेगी।

बीजापुर-भैरमगढ़ में डायरेक्ट सेलिंग का बढ़ता दायरा, महिलाएँ बन रहीं आत्मनिर्भर

भैरमगढ़/बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के भैरमगढ़ क्षेत्र में डायरेक्ट सेलिंग का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जहाँ अब बड़ी संख्या में महिलाएँ इस माध्यम से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए कमाई और आत्मविकास के नए रास्ते खोल दिए हैं। घर की जिम्मेदारियों के साथ महिलाएँ अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने कौशल का उपयोग कर रही हैं। यह बदलाव न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहा है, बल्कि उन्हें समाज में एक नई पहचान भी दिला रहा है। जागरूक महिलाएँ खुद आगे बढ़ने के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भी इस दिशा में प्रेरित कर रही हैं। इसी कड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती नूतन सिन्हा शामिल हुईं। उन्होंने पिछले करीब साढ़े तीन से चार वर्षों में लगातार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया है। एक साधारण किसान परिवार की गृहिणी के रूप में शुरू हुई उनकी यात्रा आज क्षेत्र की कई महिलाओं के लिए मिसाल बन चुकी है। उनके प्रेरणादायक विचार सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से व्यापक रूप से साझा किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में द्वितीय मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कल्पना ध्रुव भी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए महिलाओं को डिजिटल माध्यम का सही उपयोग करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस दौरान लंकेश्वरी मैम, मंजू पासवान, इंदिरा फरसा, सत्यभामा, अंजलि और इंदू निषाद सहित कई सक्रिय महिला सदस्य अपनी टीम के साथ मौजूद रहीं। बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने यह संकेत दिया कि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। हालांकि, डायरेक्ट सेलिंग को लेकर समाज में कुछ नकारात्मक धारणाएँ भी देखने को मिलती हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ईमानदारी, पारदर्शिता और सही मार्गदर्शन के साथ यह क्षेत्र रोजगार और आत्मसम्मान का सशक्त माध्यम बन सकता है। स्थानीय स्तर पर यह पहल न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि बेरोजगारी की समस्या को कम करने में भी सहायक साबित हो रही है। जानकारों का कहना है कि यदि युवा और महिलाएँ इस तरह के सकारात्मक प्रयासों से जुड़ते हैं, तो यह बदलाव लंबे समय तक समाज पर असर डालेगा। आज जरूरत है कि समाज ऐसी पहल करने वाली महिलाओं का समर्थन करे, क्योंकि जब एक महिला सशक्त होती है तो उसका परिवार, समाज और अंततः देश भी आगे बढ़ता है।

संपादकीय

बच्चों को क्यों जकड़ रहा है सोशल मीडिया का जाल

आज के दौर में लगभग हर हाथ में स्मार्टफोन है और सस्ते इंटरनेट की सुविधा ने आभासी दुनिया तक पहुंच को आसान बना दिया है। इसका सबसे ज्यादा और गहरा असर बच्चों एवं किशोरों पर पड़ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया के आने से सूचना का प्रवाह तेज हुआ है, सार्वजनिक अभिव्यक्ति के नए अवसर खुले हैं और रचनात्मकता के प्रदर्शन को भी नया मंच मिला है। मगर सतर्कता और सावधानी न बरती जाए, तो कई बार तकनीक की सुविधा भी असुविधा बन जाती है।सोशल मीडिया को लेकर भी इसी तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। खासकर बच्चों और किशोरों पर इसका नकारात्मक प्रभाव ज्यादा देखने को मिल रहा है। अभी तक माना जा रहा था कि बच्चों का सोशल मीडिया पर बेरोक-टोक ज्यादा समय बिताने से वे इसके आदी हो रहे हैं, जिसका न केवल उनकी पढ़ाई पर असर पड़ रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी पैदा हो रही हैं।मगर अमेरिका की एक अदालत की ओर से हाल में दिए गए फैसले में कहा गया कि बच्चों में सोशल मीडिया के इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए संबंधित कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। इन मंचों के डिजाइन में ऐसी खामियां हैं, जिसकी वजह से बच्चों को इनकी लत लग जाती है।गौरतलब है कि आज के दौर में लगभग हर हाथ में स्मार्टफोन है और सस्ते इंटरनेट की सुविधा ने आभासी दुनिया तक पहुंच को आसान बना दिया है। इसका सबसे ज्यादा और गहरा असर बच्चों एवं किशोरों पर पड़ रहा है। सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से उनमें चिंता, अवसाद, नींद की कमी और एकाग्रता में कमी जैसी गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं।इसी के मद्देनजर अमेरिका में मेटा और गूगल के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से दलील दी गई कि सोशल मीडिया मंचों को तकनीकी तौर पर इस तरह से तैयार किया गया है कि वे बच्चों को इसके बार-बार इस्तेमाल के लिए ललचाते हैं।अदालत ने अपने फैसले में इस तथ्य को सही पाया और दोनों कंपनियों पर भारी जुर्माना भी लगाया। तकनीकी तौर पर भले ही यह पक्ष सही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इस मामले में अभिभावकों की अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारी कम हो जाती है। बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर नजर रखना और समय सीमा तय करना जरूरी है, ताकि उन्हें इसके दुष्प्रभावों से दूर रखा जा सके।

हनुमान जन्मोत्सव : पंचमुखी होकर प्रभु की रक्षा की हनुमान ने

भक्त की भक्ति और उसके समर्पण को जानना हो तो हमें इस कलयुग में अपनी भक्ति के प्रति समर्पित पवन पुत्र हनुमान की महिमा को अपने स्मरण में लाना होगा । पूरी दुनिया में ऐसा कोई भगवान और भक्त नहीं जैसा हमारे हिंदुस्तान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और उनके परम भक्त हनुमान का स्नेह रहा है । कहते हैं कि इस दुनिया का संचालन भगवान राम की कृपा के बिना नहीं हो सकता । जी ! हां ! यह शाश्वत सत्य भी है । भगवान श्रीराम भी यह अनुभव करते हैं कि उनके छोटे - बड़े सारे काम अधूरे हैं , यदि उनके अनन्य भक्त पवन पुत्र हनुमान उनके पास नहीं हैं ! भगवान श्रीराम और हनुमान का साथ ऐसा है जैसे मनुष्य के शरीर के भीतर हृदय की धड़कन और रक्त संचार का ! भारतवर्ष की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उसकी गहरी जड़ें , प्राचीन पौराणिक कथाओं को हमारी मान्यताओं की कड़ी में पिरोती हैं ! यही वे मान्यताएं हैं जिन्हें हम पूजा के रूप में अनेक देवताओं के प्रतिरूप के समक्ष साक्षात् रूप में पाते हैं । ऐसे ही देवताओं में सर्वमान्य देवता के रूप में हमारे जीवन में भक्त शिरोमणि हनुमान जी ने अकाट्य स्थान बनाया हुआ है । हिंदू धर्मशास्त्रों में मिलने वाली अनेक पौराणिक कथाओं में भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान जी की बुद्धि - कौशल से जुड़ी शक्ति का दर्शन हमें होता रहा है । हनुमान जी की युद्ध कला और रूप परिवर्तन ने राम - रावण युद्ध का दृश्य ही बदल दिया !

हनुमान जी को पूरी दुनिया मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के परम भक्त के रूप में जानती और पूजती है । यह भी मान्यता और आस्था है कि हनुमान जी की नियमित पूजा - अर्चना के साथ उनके आराध्य भगवान श्रीराम के प्रति अकाट्य विश्वास से मनुष्य के हर प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं । हनुमान जी ऐसे महान भक्त हुए हैं जिनके विषय में रामायण , रामचरित मानस एवं महाभारत में अनेक कथाएं मिलती हैं । मुझे आज बजरंगबली के पंचमुखी अवतार पर लिखने की प्रेरणा शायद हनुमान जी से ही प्राप्त हो रही है । ऐसे कौन से कारण और परिस्थितियां थीं , जिसने हनुमान जी को पंचमुखी अवतार लेने की प्रेरणा दी ? हनुमान जी का पंचमुखी रूप वास्तुशास्त्र में भी उत्तम बताया गया है । घर के मुख्य द्वार में इस रूप की मूर्ति अथवा चित्र लगाए जाने से हर प्रकार की बाधा दूर भाग जाती है । इस रूप की नियमित पूजा से उनके भक्तों को आत्मिक शांति और आनंद की प्राप्ति होती है । बजरंगबली ने अपने प्रभु श्रीराम और उनके भ्राता लक्ष्मण जी की रक्षा के लिए पंचमुखी अवतार लिया । राम - रावण युद्ध के दौरान जब रावण पस्त होने लगा तो उसने छल करते हुए अपने भाई अहिरावण का सहारा लिया । तंत्र विद्या में पारंगत अहिरावण को मां भगवती का आशीर्वाद था कि उसे वही मार सकता है जो पांच दिशाओं में जल रहे दीपों को एक फूक में बुझा दे ! अहिरावण ने अपनी तंत्र विद्या के बल पर श्रीराम जी की सेना को गहरी नींद में सुला दिया ! इसके साथ ही वह भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी को अपहृत कर

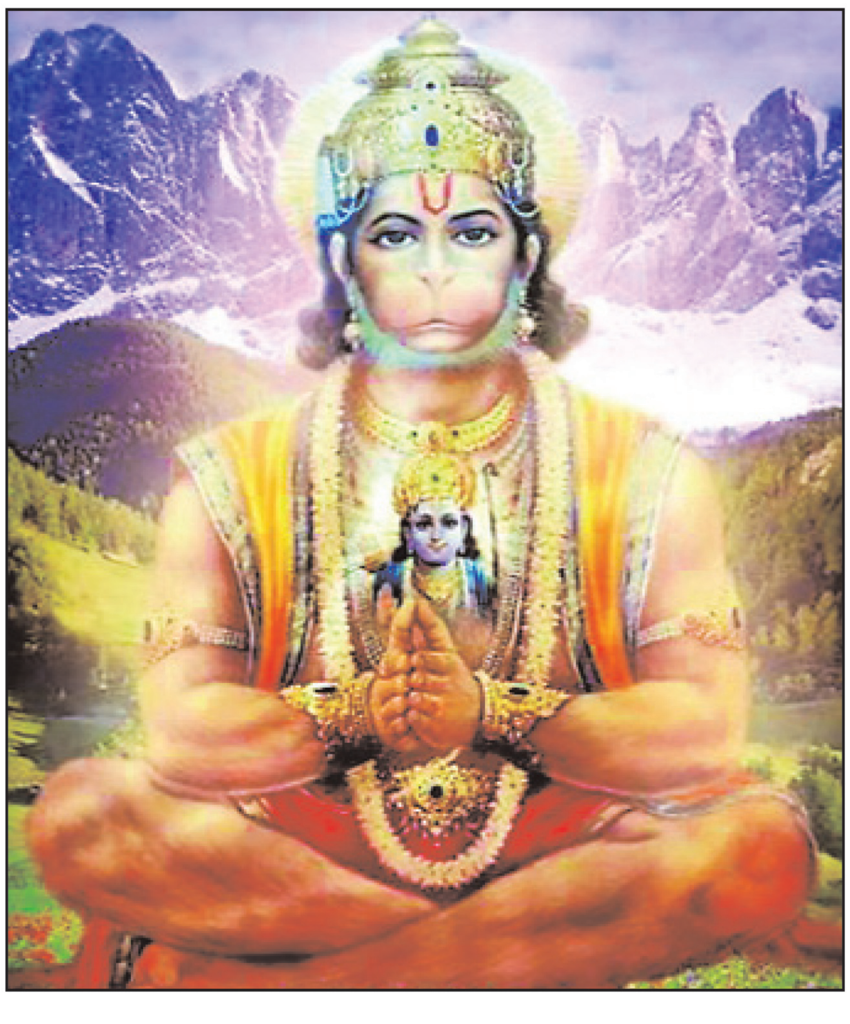

पाताल लोक ले गया !

हनुमान जी के भक्त जानते हैं कि अपने प्रभु को बचाने के लिए पवन पुत्र ने पंचमुखी अवतार लिया । इन पांच रूपों में हनुमान जी का पहला मुख वानर का था । दूसरा मुख गरुड़ का । तीसरा वराह का । चौथा नृसिंह का और पांचवां मुख अश्व अर्थात घोड़े का था । प्रश्न यह उठता है कि इन पांचों मुखों के सहारे हनुमान जी ने पांच दिशाओं में जल रहे दीपों को कैसे बुझाया ? बजरंगबली का पहला मुख जो वानर रूप में था , वह पूर्व दिशा की ओर था । वानर मुख शत्रुओं पर विजय का प्रतीक माना जाता है । इसी तरह दूसरा मुख गरुड़ का था जो पश्चिम दिशा किनार था । गरुड़ मुख जीवन की रुकावटों को दूर करने वाला माना जाता है । तीसरा मुख जो वराह का था वह उत्तर दिशा की ओर था । वराह मुख आयु वृद्धि का द्योतक है । चौथा मुख नृसिंह भगवान के रूप में दक्षिण दिशा की ओर था । इसे हर प्रकार के भय को खत्म करने वाला माना जाता है । पांचवां मुख अश्व (घोड़ा) का था , जो आकाश को निहार रहा था । इसे अपार शक्ति प्रदाता माना जाता है । इस स्वरूप को धारण कर पवन पुत्र हनुमान ने पाताल लोक में प्रवेश किया और पांचों मुख की अपार शक्ति के चलते सभी पांचों दीपों की लौ को एक ही फूंक में बुझाकर उन्होंने अहिरावण का वध कर डाला ! अपने प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी को अपने कंधों में आसन देकर वे सुरक्षित लाने में सफल रहे । हनुमान जी को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए भक्तों को इस मंत्र का जप करना चाहिए :-

नमो हनुमते रुद्रावताराए सर्वशत्रुसंहार नाय , सर्वरोग हराए सर्ववशीकरणए रामदुताए स्वाहा ।

हिंदू पौराणिक कथाओं में हनुमान जी के अनेक युद्धों का वर्णन है । हनुमान जी के प्रत्येक युद्ध में उनकी अपार शक्ति और तीव्र बुद्धि के दर्शन होते हैं । अपनी शक्ति और बुद्धि से ही हनुमान जी बुराई पर विजय प्राप्त करते रहे हैं । हनुमान जी को विभीषण ने सतर्क करते हुए कहा कि इंद्रजीत के मारे जाने के बाद रावण ने अपने भाई अहिरावण से हाथ मिला लिया है । किसी अनहोनी की संभावना के साथ विभीषण ने हनुमान जी से भगवान राम और लक्ष्मण की कुटिया की रक्षा करने के लिए कहा । विभीषण ने ही हनुमान जी को बताया कि अहिरावण मायावी है । वह छल से भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को नुकसान पहुंचा सकता है । अहिरावण ने विभीषण की आशंका के अनुसार ऐसा ही किया और विभीषण का भेष बनाकर कुटिया में प्रवेश करना चाहा । अपने कर्तव्य पर डटे हुए हनुमान जी ने अहिरावण के छल को पहचान लिया और उसे ऐसा नहीं करने दिया । तब अहिरावण ने अपनी तंत्र विद्या से सबको गहरी नींद में सुलाकर प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी का अपहरण कर लिया ।

अपने आराध्य की रक्षा के लिए पंचमुखी हनुमान जब पाताल लोक के द्वार के समीप पहुंचे तब उनका पुत्र मकरध्वज उनके सामने आकर उन्हें युद्ध के लिए ललकारने लगा । अति बलशाली मकरध्वज को हनुमान जी ने युद्ध में पराजित कर पाताल लोक में प्रवेश किया । ऐसा प्रसंग भी मिलता है कि हनुमान जी ने अपने आराध्य प्रभु श्रीराम की पांच प्रकार से पूजा की थी । इन पांच प्रकारों में :- नमन अर्थात श्रद्धा से प्रभु का नाम जपना । स्मरण अर्थात हर समय अपने आराध्य की स्मृति बनाए रखना । कीर्तनम अर्थात सर्व शक्तिमान ईश्वर की स्तुति करना । यचनम अर्थात गहरी आस्था के साथ निः स्वार्थ प्रार्थना करना तथा अर्पणम अर्थात स्वयं को ईश्वर के लिए अर्पित कर देना । इन्हीं पांच प्रकार की पूजा ने हनुमान जी को पंचमुखी अवतार ले पाने का आशीर्वाद प्रदान किया । आज हनुमान प्रकटोत्सव के अवसर पर हनुमान जी के प्रत्येक भक्त को ऐसी प्रतिज्ञा लेने की जरूरत है कि वे हनुमान जी के स्वभाव के अनुसार अपने आदरणीय जनों के प्रति उचित भावना को हृदय में स्थान प्रदान करेंगे । यही सच्ची हनुमत सेवा हो सकती है ।

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

'स्कूल चलें हम', आओ हम सब भी चलें साथ बच्चों के

प्रो. मनोज कुमार

शिक्षा की महती जवाबदारी समाज की है. सरकार शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराती है, अवसर देती है और अपने स्तर पर प्रयास करती है कि कोई बच्चा स्कूल जाने से ना छूटे. इसके बाद जवाबदारी आती है समाज की अर्थात हम-सब की कि बच्चों को स्कूल तक पहुँचायें. बच्चा का अर्थ केवल अपना बच्चा नहीं है बल्कि वह अपने आसपास का बच्चा भी है. आपके घर में सफाई करने वाली, बर्तन-कपड़ा धोने वाली दीदी होंगी, आपके घर में ड्रायवर भी होगा और अन्य सहायता करने वाले लोग भी आसपास होंगे और इनके बच्चे भी होंगे. कुछ अपने बच्चों को स्कूल भेजते होंगे और कुछ नहीं भेजते होंगे. ऐसे परिवारों को उनके बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करना हम-सब की सामाजिक एवं नैतिक जवाबदारी है. नवीन शिक्षा सत्र से चार दिनों का 'स्कूल चलें हम' उत्सव आरंभ हो गया है. यही चार दिन बच्चों का भविष्य तय करने के लिए अर्थवान है. शिक्षकों की भी जवाबदारी बढ़ गई है कि वे नौनिहालों को किताब की ओर आकर्षित करें. ध्यान रखना होगा कि स्कूल सीखने और समझने की जगह है और ऐसे में शिक्षकों को स्नेह के साथ बच्चों के मन को जीतना होगा.

मध्यप्रदेश में अब सरकारी स्कूल सुविधाहीन नहीं हैं और ना ही निजी स्कूलों से कमतर. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी और वोकेशनल कोर्स के साथ पीएमश्री योजना के तहत सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाया जा रहा है या यों कहें कि इस दिशा में काफी कुछ कार्य सरकार ने पूर्ण कर लिया है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. मिसाल के तौर पर पीएम श्री योजना के अंतर्गत 799 शासकीय विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला और लाइब्रेरी के साथ अपग्रेड किया गया है। साथ ही उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए सक्रिय अभ्यास क्रियाविधि का उपयोग किया जा रहा है, जो विज्ञान और सामाजिक विज्ञान को इंटरैक्टिव बनाता है। स्कूलों में कौशल विकास के लिए व्यावसायिक कोर्स (जैसे ब्यूटीशियन, सिलाई) भी शुरू किए गए हैं। स्कूली शिक्षा का नया शैक्षणिक सत्र 2026-27, 1 अप्रैल से शुरू हो चुका है जिसमें 'स्कूल चलें हम' अभियान के तहत बच्चों का स्वागत, निःशुल्क पुस्तकें वितरण और पहले दिन से ही पढ़ाई शुरू की गई है। 'स्कूल चलें हम' अभियान में नामांकन और पढ़ाई पर फोकस रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 92 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में 85 लाख से अधिक छात्रों का स्वागत किया जाएगा और मुफ्त किताबें वितरित की गई।

'स्कूल चलें हम' अभियान को इस तरह डिजाइन किया गया है कि हर बच्चे की रूचि स्कूल आने में हो. अभियान के दूसरे दिन 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में अपने-अपने क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों से नवागत विद्यार्थियों की भेंट होगी. विद्यार्थी उनकी सफलता के बारे में सवाल करेंगे. यह प्रयास विद्यार्थियों को भविष्य में क्या बनना है, के प्रति प्रेरित करेगा. विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुना कर उन्हें प्रेरित करेंगे। प्रत्येक जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ सुरूचिपूर्ण ढंग से संवाद करने के लिये भी कहा गया है

अभियान का तीसरा तीन सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का होगा. पालकों को अपनापन लगे और वे बच्चों को स्कूल भेजने के लिए दूसरों को प्रेरित करें, इस ध्येय के साथ उत्कृष्ट उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के पालकों को सम्मानित किया जाएगा. यह अपने आप में अनोखी पहल होगी. अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोडना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। अभियान के अंतिम दिन ड्रॉपआउट बच्चों को वापस स्कूल लाने के लिए विशेष पहल और विशेष शिक्षण सहायता की रूपरेखा से अवगत कराया जाएगा. अभियान के अंतिम दिन 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसमें हम-सब सहायता कर सकते हैं. शिक्षा पर सबका अधिकार है, यह बात अधिकतम लोगों तक पहुँचाने की जवाबदारी हमें ही लेना होगी. सरकार पर आश्रित रहने से कुछ खास बदलाव होने वाला नहीं है. सरकार अपने स्तर पर प्रयास करती है लेकिन इन प्रयासों को सफलता तक पहुँचाने की जवाबदारी समाज की होती है. सरकार ने एक कोशिश कर स्कूलों के ढाँचे को सुदृढ़ करने की कोशिश की है. शासकीय स्कूल नए साज-सज्जा के साथ निजी स्कूलों के टक्कर में खड़े हो गए हैं फिर वह पीएमश्री स्कूल हो या सांदीपनी स्कूल. एक बड़ी सोच के साथ कम बजट में बेहतर शिक्षा देने की पहल हो चुकी है और इस पहल को आगे बढ़ाने की जवाबदारी उठाने के लिए हम-सबको आगे आना होगा.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा के बाद भी बहुत कुछ करना होगा

(अशोक मधुप)

शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया।

अमित शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं।

काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की। नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नकसल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है।

काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया। कुछ अभी फरार हैं।

शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया।

शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई। इसमें सीएपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई। इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ।

उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना।

शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया।

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी। उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अब देश बंदूक से नहीं, संविधान से चलेगा और यही असली जीत है। गृह मंत्री के अनुसार, जिस रेड कॉरिडोर का विस्तार कभी पशुपति से तिरुपति तक माना जाता था, वह अब सिमटकर केवल कुछ जिलों तक रह गया है। 2014 में जहाँ 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे, वहीं 2025-26 तक यह संख्या घटकर मात्र एक अंक में रह गई है। छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग, जो कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था। अब वह सुरक्षा बलों के नियंत्रण में है और वहां विकास की किरणें पहुँच रही हैं। सरकार के इन दावों की पुष्टि जमीनी आंकड़ों से भी होती है। पिछले कुछ वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऑपरेशन कगार और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है। 2025 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए। इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे। इसके साथ ही, हजारों की संख्या में कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है,। यह समर्पण इस बात का प्रतीक है कि अब इस विचारधारा का आकर्षण खत्म हो रहा है। इतना सब होने के बावजूद, इन सफलताओं के बावजूद नक्सलवाद की चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

खपरी दोहरे हत्याकांड का 48 घंटे में खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के थाना मुलमुला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपरी में घटित बुजुर्ग दंपत्ति के सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई थाना मुलमुला एवं सायबर थाना की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 1 अप्रैल 2026 की सुबह ग्राम खपरी निवासी संतराम साहू (70 वर्ष) एवं उनकी पत्नी श्यामबाई साहू (65 वर्ष) का शव उनके घर में खून से लथपथ अवस्था में मिला था। सूचना मिलते ही थाना मुलमुला पुलिस मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और तत्काल जांच के निर्देश दिए।जांच के दौरान फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड एवं फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की मदद से साक्ष्य एकत्र किए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं उप पुलिस अधीक्षक प्रदीप सोरी तथा योगिताबाली खापर्डे के नेतृत्व में सायबर टीम द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, संभावित रास्तों एवं स्थानीय सूचनाओं का बारीकी से विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी की नीयत से बुजुर्ग दंपत्ति के घर में घुसे थे। मृतक के जाग जाने पर पहचान छुपाने के लिए नकली बाल, टोपी एवं मुखौटा लगाए आरोपियों ने चाकू से दंपत्ति पर हमला कर दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसके बाद आरोपी महिला के जेवरात एवं अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गजेन्द्र पाल दिनकर को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथी सुरेन्द्र यादव के साथ मिलकर हत्या एवं चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ में अन्य आरोपियों श्यामरतन दिनकर एवं विजेन्द्र पाल दिनकर की भूमिका भी सामने आई। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दो चाकू, सोने का हार, चांदी की पायल एवं एक मोटरसाइकिल जब्त की गई।पुलिस ने चारों आरोपियों गजेन्द्र पाल दिनकर पिता श्यामरतन दिनकर उम्र 24 वर्ष, खपरी थाना मुलमुला , सुरेन्द्र यादव पिता स्व. अमरनाथ यादव उम्र 25 वर्ष, खपरी थाना मुलमुला, श्यामरतन दिनकर पिता स्व. रामनारायण दिनकर उम्र 53 वर्ष, खपरी थाना मुलमुला, विजेन्द्र पाल दिनकर पिता श्यामरतन दिनकर उम्र 26 वर्ष को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस अंधे दोहरे हत्याकांड के सफल खुलासे पर पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की जा रही है।उक्त कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सागर पाठक सायबर थाना, निरीक्षक पारस पटेल थाना प्रभारी मुलमुला, थाना प्रभारी पामगढ़ सावन सारथी, सायबर थाना प्र.आर. राजकुमार चन्द्रा, प्र.आर. विवेक सिंह, आर. गिरीश कश्यप, प्रदीप दुबे, रोहित कहरा, माखन साहू, प्रतीक सिंह एवं थाना मुलमुला से सउनि प्रमोद महार, हेमंत महिलागें, संतोष बंजारे प्र.आर. बलबीर सिंह, राजमणि द्विवेदी, अनिल अजगल्ले म.आर. श्वेता सिंह आर. राजेश कश्यप, राम गोपाल भारती, ओमप्रकाश डहरिया, मनभावन पटेल, भुपेन्द्र कंवर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुराने चेहरों को एक्टिव करने प्लानिंग, युवाओं को भी मौका, अब गुटबाजी से बचने तालमेल जरूरी

रूबी, राकेश उपाध्यक्ष और इकरामुद्दीन, कुसुम और विनय बने महामंत्री

■ अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार की अनुशंसा पर शहर कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित

राजनांदगांव/मूक पत्रिका

शहर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की घोषणा गुरूवार को की गई। पूरी सूची पर नजर डाली जाए तो अनुभवी चेहरों को तवज्जों दी गई।, वहीं पुराने नेताओं को एक्टिव करने का प्रयास भी दिख रहा है। इसके अलावा युवाओं को भी स्थान दिया गया है। ताकि संगठन में अनुभव और जोश दोनों ही साथ-साथ दिखाई दे। अब देखना होगा कि आने दिनों में संगठन की यह कार्यकारिणी किस ठोस दिशा में काम करती है। कांग्रेस ने सात उपाध्यक्षों की नियुक्ति की है, उनमें राकेश जोशी, देवेंद्र सिंह गरचा उर्फ रूबी, शारदा तिवारी, दौलत सिंह, प्रकाश राठौर, पप्पु धकेता और अमीन हुड्डा शामिल हैं। इसी तरह महामंत्री के लिए इकरामुद्दीन सोलंकी, अशोक पंजवानी, सुर्यकांत जैन, महेश यादव, प्रेमरूप चंद्राणी, कुसुम दुबे, देवेश डाकलिया, विनय झा, मनीष गौतम, देवेश वैष्णव, विरेंद्र चंद्राकर और मनीष साहू को स्थान मिला है। इसी तरह सचिव पद के लिए नरेश साहू, गामेंद्र नेताम, परवेज शरीफ, शरद खंडेलवाल, मोहिनी भारती, गजेंद्र राजपूत, सादिक खान, अजगर बेग, व अन्य शामिल है।

गुटबाजी ही कमजोरी, उससे निजात होगा

पिछले चुनावों की या फिर किसी प्रदर्शन की बात करें तो कांग्रेस की बड़ी कमजोरी उसकी गुटबाजी ही रही है। आला नेता भले इसे टाल जाए लेकिन इसका नकारा नहीं जा सकता। कई बड़े नेताओं के आगमन और चुनावी रणनीति में यह साफतौर पर देखा गया है। इस कारण कांग्रेस को खेमेबाजी से निजात जरूरी है, तभी संगठन बेहतर काम कर पाएगा। क्योंकि तवज्जों कई चेहरों को मिल जाए, पर तालमेल नहीं दिखा तो कार्यशैली फीकी की नजर आएगी।

छत्तीसगढ़ के जन नेता और अस्मिता के प्रतीक महंत विशाहू दास के योगदान को बुलाया नहीं जा सकता : डॉ चरणदास महंत

कोरबा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के जननेता, छत्तीसगढ़ की अस्मिता के दैदीप्यमान नक्षत्र महंत बिसाहूदास के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। उक्त कथन नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने ओपन थियेटर घंटाघर के पास स्थित स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति उद्यान में आयोजित की 102वीं जयंती के अवसर पर विचार रखते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिसाहू दास महंत जनप्रिय राजनेता थे चार बार मध्य प्रदेश में कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में उनके ऐतिहासिक कार्य निर्वहन की क्षमता को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। वे कबीर पंथी होने के साथ-साथ गांधीवादी विचारक थें। सादा जीवन उच्च विचार की गरिमा को हर हमेशा जीवन की उच्चतम मूल्य मानते थे। सरलता, सहजता एवं मिलन सरिता के वे एक जीवंत प्रतिमूर्ति थे। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने स्व. बिसाहूदास महंत जी को याद करते हुए कहा बिसाहु दास जी अपनी ओजस्वी शैली और कुछ कर दिखाने के जज्बे के कारण वे संसदीय जगत के पुरोधा माने जाते थे। पृथक छत्तीसगढ़ की कल्पना, छत्तीसगढ़ी भाषा की कल्पना, हंसती खिलखिलाती संस्कृति का सपना देखा था स्व. बिसाहूदास महंत ने। उन्होने आगे कहा कि आज बिसाहूदास महंत जी हमारे बीच नही है लेकिन हम सबको उनके त्यागमय जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। वे राजनीति को सेवा कार्य मानते थे। विद्यार्थी जीवन से ही स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति उनका लगाव था। आज जरूरत है महंत के लोक आदर्शो से प्रेरणा ग्रहण करने की। पूर्व विधायक पुरूषोत्तम कंवर ने बिसाहूदास महंत जी की 102वीं जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि स्व. बिसाहूदास महंत जी की स्मृतियों को सहेजना और उनके मानवीय संवेदना के पक्ष को अजागर करना आवश्यक है क्योकि वे जनसेवक और छत्तीसगढ़ के माटी के लाल बहादूर थे। पूर्व विधायक मोहित केरकेट्टा ने अपने विचार मे बताया स्व. बिसाहूदास महंत के विचार, सिद्धांत एवं अनुशासन आज भी सामुदायिक कल्याण के परिपेक्ष्य में सर्वथा प्रासंगिक है।

कांकेर पुलिस का 'उजियारा अभियान': नशीली सिरप बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, मेडिकल संचालक सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर जिले में अवैध नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'उजियारा अभियान' के तहत कांकेर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने नशीली और प्रतिबंधित सिरप की बिक्री करने वाले एक बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए मेडिकल संचालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धमतरी स्थित एक फार्मेसी को भी सील कर दिया है। मुख्य घटनाक्रमः घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नया

गोविंदपुर ग्राउंड में दो व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली सिरप बेचने के

लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। एसपी निखिल कुमार राखेजा के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हर्ष कदम (गोविंदपुर, कांकेर) और आकाश कुमार गजभिये (उदयनगर, कांकेर) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान इन्होंने बताया कि वे यह नशीली सिरप धमतरी के सुश्रुता फार्मेसी से लाते थे।

धमतरी में रेडः मेडिकल संचालक भी गिरफ्त मेंआरोपियों के बयान के आधार पर पुलिस ने धमतरी के आमातालाब रोड स्थित सुश्रुता फार्मेसी पर छापेमारी की। वहां बिना डॉक्टर की पर्ची के अवैध रूप से नशीली सिरप बेचते हुए मेडिकल संचालक मनीष सिंह राठौर को गिरफ्तार किया गया। मौके पर ड्रग इंस्पेक्टर और कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में मेडिकल दुकान को सील करने की कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुलः15 नग नशीली प्रतिबंधित सिरप भारी मात्रा में प्रतिबंधित टैबलेट्स 03 नग मोबाइल फोन तीनों आरोपियों के विरुद्ध हृष्ठक्क एक्ट की धारा 21, 22, 29 के तहत अपराध क्रमांक 121/2026 पंजीबद्ध किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में एएसपी योगेश कुमार साहू, एएसपी दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन और एसडीओपी मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बनसोडे प्रतीक दादासाहेब (भापुसे), निरीक्षक जितेन्द्र कुमार साहू और साइबर स्टाफकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लंबित प्रकरणों को जल्द निराकरण करें : कलेक्टर

गरियाबंद/मूक पत्रिका

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर बी.एस. उइके ने आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं और जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने कार्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करें। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी को अपने कर्तव्यों के पालन सही तरीके से करने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही समय सीमा की बैठक में बिना बताएं अनुपस्थित रहने पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त लंबित प्रकरणों को तत्काल निराकरण करने तथा निराकरण उपरांत उन्हें टीएल से विलोपित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईएचआरएम गवर्नमेंट एप पर नियमित लॉग इन, स्पैरो पोर्टल में सभी आवश्यक प्रविष्टियों को समय पर अपलोड करने के साथ ही न्यायालय एवं उच्च कार्यालयों के निर्देशो एवं आदेश का गंभीरता के साथ पालन करने को कहा।

पश्चिम एशियाई संकट के बीच बालोद में गैस आपूर्ति दुरुस्त प्रशासन की सख्त निगरानी से नहीं हो रही कोई कमी

जिला प्रशासन द्वारा उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेण्डर्स उपलब्ध कराने हेतु किए गए हैं समुचित उपाय

बालोद/मूक पत्रिका

पश्चिम एशियाई संकट के मद्देनजर बालोद जिले के उपभोक्ताओं को समय पर समुचित मात्रा में गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने हेतु चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन का दावा है कि बालोद जिले के गैस एजेंसियों में पर्याप्त मात्रा में घरेलु एवं कामर्शियल गैस सिलेण्डर उपलब्ध होने से हितग्राहियों को गैस सिलेण्डर प्रबंध करने में किसी प्रकार की परेशानी नही हो रही है। उल्लेखनीय है कि बालोद जिला प्रशासन द्वारा किए गए बेहतरीन व्यवस्था के फलस्वरूप एक अप्रैल के लिए

बालोद जिले के गैस एजेंसियों के पास कुल 2 हजार 633 घरेलु एवं 51 कामर्शियल गैस सिलेण्डर्स उपलब्ध रहा। इसके अंतर्गत बुधवार के लिए पूर्व इण्डेन वितरक गैस एजेंसी गुरूर के पास 140 घरेलु एवं 02 कामर्शियल, अरमरीकला ग्रामीण वितरक गुरूर के पास 169 घरेलु, बिरेतरा एचपी गैस एजेंसी गुंडरदेही के पास 127 घरेलु, मोहंदीपाट इंडेन ग्रामीण वितरक के पास 213 घरेलु एवं 01 कामर्शियल, सौम्य एचपी गैस एजेंसी गुंडरदेही के पास 360 घरेलु, काम्बले गैस एजेंसी दल्लीराजहरा के पास 399 घरेलु एवं 38 कामर्शियल, गोविंद इण्डेन गैस एजेंसी बालोद के पास 618 घरेलु एवं 10 कामर्शियल, ओम साई एचपी गैस एजेंसी डौण्डीलोहारा के पास 87 घरेलु, देवरी बंगला एचपी गैस एजेंसी के पास 46 घरेलु, आदिमजाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पापरा इण्डेन ग्रामीण वितरक के पास 134 घरेलु एवं शारदा गैस एजेंसी मंगचुवा के पास 340 घरेलु गैस सिलेण्डर उपलब्ध रहा।

एडीएम कौशिक नोडल अधिकारी नियुक्त

पश्चिम एशियाई संकट के कारण उत्पन्न स्थिति में बालोद जिले के उपभोक्ताओं को समय पर समुचित मात्रा में गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने हेतु प्रशासनिक अमले के द्वारा फील्ड विजिट कर निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने इस दौरान एलपीजी, डीजल, पेट्रोल एवं अन्य सभी आवश्यकत वस्तुओं की नियमित निगरानी एवं आपूर्ति की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा अनुभाग स्तरीय समितियों का भी गठन किया गया है। जिसके फलस्वरूप जिले के उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेण्डर एवं अन्य जरूरी चीजों की प्रबंध करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई नही हो रही है। कुल मिलाकर, संकट की आशंका के बावजूद बालोद जिला प्रशासन की सक्रियता और बेहतर प्रबंधन के चलते आम नागरिकों को राहत मिल रही है और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पूरी तरह सुनिश्चित की जा रही है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तार की दिशा में बड़ी पहल : जिले को मिलीं 23 संजीवनी 108 एम्बुलेंस

जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय सहित अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाया किया रवाना

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 31 मार्च को 300 बेसिक लाइफसपोर्ट एवं 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट संजीवनी एक्सप्रेस 108 एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के सभी जिलों के लिए रवाना किया था। इनमें से जशपुर जिले को कुल 23 एम्बुलेंस सेवाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें 3 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट तथा 20 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं। यह पहल जिले में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसी क्रम में रणजीता स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर इन एम्बुलेंसों को रवाना किया। इस अवसर मुख्य अतिथि सालिक साय ने कहा कि इन एम्बुलेंसों की उपलब्धता से गंभीर एवं आपातकालीन स्थिति में मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा तथा उन्हें त्वरित रूप से नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सुविधा होगी, जिससे जिले की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त एवं जनहितकारी बनेंगी।

विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात रहेगी एंबुलेंस- जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट तथा बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंसों की सुव्यवस्थित तैनाती की गई है। एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सन्ना, आईएफटी जिला चिकित्सालय जशपुर एवं आईएफटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी में उपलब्ध रहेंगी, जहां गंभीर मरीजों को उन्नत चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा सकेगी।इसी प्रकार बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस पीएचसी बागबहार, पीएचसी कुरोग, सीएचसी लोदाम, जिला चिकित्सालय जशपुर, पीएचसी कोल्हेनझरिया, सीएचसी कुनकुरी, पीएचसी नारायणपुर, सिविल हॉस्पिटल पत्थलगांव, पीएचसी कोतबा, पीएचसी करडेगा, सीएचसी मनोरा, पीएचसी बगिया, सीएचसी फरसाबहार, सीएचसी दुलदुला, सीएचसी कांसाबेल, आईएफटी जशपुर, सीएचसी बगीचा, पीएचसी सुरंगपानी, पीएचसी तपकरा एवं पीएचसी पंडरापाठ में तैनात रहेंगी।

उन्नत उपकरण से लैस होगी एम्बुलेंस, मिलेगी त्वरित चिकित्सा सेवा- एम्बुलेंसों में मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक एवं उन्नत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोमीटर जैसी जांच सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सपोर्ट, नेबुलाइजेशन एवं अन्य आपातकालीन उपचार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गंभीर मरीजों के सुरक्षित स्थानांतरण हेतु पोर्टेबल वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर मॉनिटर, सिरिंज पंप, लैरिंजो स्कोप सहित अन्य उन्नत उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। यह समग्र पहल प्रदेश के शहरी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नागरिकों के लिए एक मजबूत जीवन रक्षक तंत्र के रूप में स्थापित होगी।

जशपुर में 891 फूड हैंडलर्स को मिला प्रशिक्षण

सुरक्षित और स्वच्छ भोजन की दिशा में बड़ा कदम

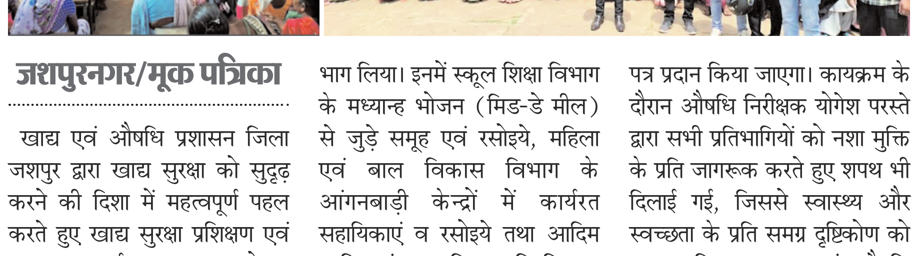

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला जशपुर द्वारा खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जो देशभर में खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को नियंत्रित करने वाली स्वायत्त वैधानिक संस्था है। जिला मुख्यालय स्थित महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जशपुर में आयोजित इस निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 891 फूड हैंडलर्स ने भाग लिया। इनमें स्कूल शिक्षा विभाग के मध्यान्ह भोजन (मिड-डे मील) से जुड़े समूह एवं रसोइये, महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यरत सहायिकाएं व रसोइये तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के छात्रावासों में कार्यरत रसोइये शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान एफएसएसएआई द्वारा प्रशिक्षित ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुरूप स्वच्छता (हाइजीन), खाद्य गुणवत्ता, भंडारण, वितरण एवं सुरक्षित भोजन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात प्रतिभागियों को फूड सेफ्टी सुपरवाइजर का प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। कायक्रम के दौरान औषधि निरीक्षक योगेश परस्ते द्वारा सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करते हुए शपथ भी दिलाई गई, जिससे स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि जिले में समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं स्वच्छ, सुरक्षित एवं मानक खाद्य प्रणाली विकसित करने का सतत प्रयास किया जा रहा है। यह पहल न केवल जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि एक सुदृढ़ एवं जिम्मेदार फूड इकोसिस्टम के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रियलमी 16 5जी भारत में हुआ लॉन्च

रायपुर। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन, रियलमी ने आज रियलमी 16 5जी पेश किया। यह नई जनरेशन के युवा यूज़र्स के लिए बनाया गया है, जो अपनी क्रिएटिविटी, पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ रोजमर्रा की विज़्युअल स्टोरीटैलिंग प्रदर्शित करना चाहते हैं। इसमें ए.आई आधारित ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा और जबरदस्त सेल्फी इनोवेशन दिए गए हैं। साथ ही 7,000 एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के बावजूद अल्ट्रा-लाईट रियलमी 16 5जी मिड-रेंज का सबसे बेहतर स्मार्टफोन है।

ए.आई पोर्ट्रेट मास्टरः सेगमेंट का सबसे बेहतर ड्युअल 50 मेगापिक्सल कैमरा, जो देता है बिल्कुल जीवंत पोर्ट्रेट

रियलमी 16 5जी में 50 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरा और सोनी आईएमएक्स852 50 मेगापिक्सल रियर कैमरा के साथ एडवांस्ड ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा सिस्टम दिया गया है, जो नई जनरेशन के युवा यूज़र्स को ए.आई पोर्ट्रेट फोटोग्राफी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इसके रियर कैमरा में 1/2.83 इंच का विशाल सेंसर, एफ1.8 एपर्चर और ऑटोफोकस क्षमता है, जिसकी मदद से रोशनी की मुश्किल परिस्थितियों में भी शार्प डिटेल और भरोसेमंद इमेज परफॉर्मेंस मिलती है। 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा इमेज को और अधिक बेहतर बनाकर नैचुरल स्किन टोन और खूबसूरती से तराशे हुए फेशियल फीचर्स प्रदान करता है। इसलिए यह व्यक्तिगत सेल्फी और ग्रुप पोर्ट्रेट के लिए शानदार है और 30,000 रुपये से कम मूल्य का सबसे अच्छा स्मार्टफोन है।

रियलमी 16 5जी में एक और खूबी है। इसमें उद्योग का पहला रियर सेल्फी मिरर दिया गया है, जिसकी मदद से यूज़र्स मेन कैमरा द्वारा रियल टाईम में शॉट ले सकते हैं। ऑरा रिंग फ्लैश एक समान रोशनी के साथ शॉट्स को और अधिक सुंदर बना देता है। ''से हाय'' जैस्चर रिकग्निशन और वॉयस काउंटडाउन रियर-कैमरा सेल्फी और अधिक इन्ट्यूटिव, इंटरैक्टिव और सोशल बना देते हैं।

रियलमी 16 5जी में उसी ल्युमाकलर इमेज इंजन का उपयोग किया गया है, जो रियलमी 16 प्रो में है। इसलिए यह स्मार्टफोन नैचुरल स्किन टैक्सचर, एक्युरेट टोन, संतुलित हाईलाईट और बिल्कुल जीवंत कलर पेश करता है। एक्सप्रेसिव फोटोग्राफी के लिए इसमें वाईब मास्टर मोड है, जो कस्टमाईज़ेबल पैरामीटर्स के साथ कई वातावरण के टोन प्रिसेट पेश करता है, ताकि यूज़र्स अलग-अलग मूड्स और विज़्युअल स्टाईल के पोर्ट्रेट बना सकें। इसमें ए.आई ज़ेनी मोड है, जो पोर्ट्रेट को कैप्चर करने के बाद ए.आई इंस्पिरेशन, ए.आई स्टाईलमी और ए.आई लाईटमी जैसे फीचर्स द्वारा वन-टैप ए.आई एडिटिंग संभव बनाता है, ताकि प्रोफेशनल लेवल के फोटो आसानी से बन सकें। वीडियो क्रिएशन के लिए इसमें ए.आई इंस्टैंट क्लिप है, जो फोटो और वीडियो से मूमेंट्स को अपनेआप चुनकर स्टाईलाईज़्ड शॉर्ट क्लिप बना सकता है, जो सोशल शेयरिंग के लिए ऑप्टिमाईज़्ड होती हैं। रियलमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, फ्रैंसिस वोंग ने कहा, ''स्मार्टफोन उद्योग में मूल्य रीसेट हो रहे हैं। यूज़र्स हर मूल्य वर्ग में बेहतर फीचर्स चाहते हैं। रियलमी 16 5जी लॉन्च करने का उद्देश्य उनकी इन अपेक्षाओं को पूरा करना है। इस स्मार्टफोन में हमने कई इनोवेशन, जैसे उद्योग का पहला सेल्फी मिरर और 7,000 एम.ए.एच की दमदार बैटरी के साथ स्लिम और दैनिक उपयोगिता का डिज़ाईन दिया है। हमने न केवल इनोवेशन पेश किया है, बल्कि एक विश्वसनीय और दीर्घकालिक अनुभव भी पेश किया है, जो भारत में स्मार्टफोन खरीदने और इस्तेमाल करने के तरीके के अनुरूप है।'' ए.आई.एम.आर.ए इंडिया के फाउंडिंग चेयरमैन, कैलाश लखयानी ने कहा कि, ''ए.आई.एम.आर.ए (ऑल इंडिया मोबाईल रिटेलर्स एसोसिएशन) के साथ रियलमी ने हमेशा मजबूत और सहयोगपूर्ण संबंध रखा है। यह एसोसिएशन भारत में 1.50 लाख रिटेलर्स और पूरे देश में हमारे रिटेल समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है। रियलमी लगातार ऐसे उत्पाद पेश कर रहा है, जो बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं।''

व्हाइट हाउस का बड़ा बयान, कहा- सही लोगों से हो रही है बात; ईरान के साथ समझौते की ओर अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन को पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन और पाकिस्तान ने खाड़ी और मध्य पूर्व में तुरंत युद्ध रोकने की मांग की है। हालांकि अमेरिका के इन दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था अमेरिका ईरान के नए नेताओं के साथ बातचीत में लगा है और इसमें काफी प्रगति हुई है। अधिकारी ने यह बात पाकिस्तान और चीन के साझा बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को जल्द ही समझौता होने का पूरा भरोसा है। साथ

ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके नतीजे बहुत गंभीर होंगे।

चीन–पाकिस्तान की अपील को किया नजरअंदाज: व्हाइट हाउस ने चीन और पाकिस्तान के उस साझा बयान को नजरअंदाज कर दिया है, जो बीजिंग में हुई बैठक के बाद सामने आया था। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी और पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार शामिल थे। चीन और पाकिस्तान के बयान में खाड़ी और मध्य पूर्व की स्थिति की समीक्षा की गई। दोनों देशों ने तनाव कम करने और तुरंत युद्ध रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि संघर्ष को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश होनी चाहिए। साथ ही युद्ध प्रभावित इलाकों में मानवीय मदद पहुंचाने की अनुमति देने पर जोर दिया।

चीन–पाकिस्तान की अपील: दोनों देशों का मानना है कि बातचीत और कूटनीति ही विवाद सुलझाने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने सभी पक्षों से शांतिपूर्ण समाधान निकालने और बल प्रयोग न करने की अपील की। इस प्रस्ताव में नागरिकों की सुरक्षा को सबसे अहम बताया गया है। इसमें कहा गया कि आम लोगों और गैर-सैन्य ठिकानों पर हमले तुरंत रुकने चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हुए ऊर्जा, बिजली और परमाणु संयंत्रों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की सुरक्षा होनी चाहिए। बयान में होर्मुज जलमार्ग को वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी बताया गया। दोनों देशों ने वहां से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बहाल करने की मांग की। दूसरी तरफ, अमेरिका ने तेहरान के साथ पर्दे के पीछे चल रही बातचीत के संकेत दिए हैं, लेकिन इसकी जानकारी देने से मना कर दिया। अधिकारी ने कहा कि वे शासन के सही लोगों से बात कर रहे हैं और वे लोग भी समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये बहुत संवेदनशील कूटनीतिक बातें हैं और अमेरिका मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा।

ईरान जंग पर चीन-पाकिस्तान का '5 सूत्री प्लान', शांति की पहल या गहरी चाल

बीजिंग/कराची, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को रोकने के लिए चीन और पाकिस्तान ने एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। दोनों देशों ने मिलकर पांच सूत्रीय शांति प्रस्ताव पेश किया है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में तनाव कम करना और स्थिरता बहाल करना है। यह प्रस्ताव उस समय सामने आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रीइशाक डार ने बीजिंग का दौरा किया और वहां चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक की। लेकिन चीन और पाकिस्तान के 5 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर सवाल उठ रहे हैं।

दोनों देशों ने खासतौर पर होरमुज़ जलसंधि में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही पर जोर दिया। यह दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां तनाव बढ़ने से वैश्विक ऊर्जा सप्लाई प्रभावित हो सकती है। चीन ने यह भी बताया कि उसके तीन तेल टैंकर सुरक्षित रूप से इस जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं, जिसके लिए उसने संबंधित पक्षों का धन्यवाद किया।

चीन–पाकिस्तान की नीयत पर सवाल

चीन-पाकिस्तान की यह पहल कागज पर शांति की दिशा में एक कदम जरूर लगती है, लेकिन इसके पीछे की नीयत पर सवाल उठ रहे हैं। चीन और पाकिस्तान ने भले ही 5 सूत्रीय शांति योजना पेश की हो, लेकिन इस पहल को लेकर कई देशों और विश्लेषकों के बीच संदेह गहराता जा रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह वाकई शांति की कोशिश है या फिर एक रणनीतिक चाल। यह प्रस्ताव उस समय आया है जब यूनाइटेड स्टेट और इरान के बीच संघर्ष चरम पर है। ऐसे में चीन और पाकिस्तान की पहल को कुछ लोग टाइमिंग आधारित कूटनीति मान रहे हैं, जिसका मकसद युद्ध रोकना नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका मजबूत करना हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन लंबे समय से ईरान का बड़ा आर्थिक साझेदार रहा है और उस पर लगे प्रतिबंधों के बावजूद तेल खरीदता रहा है। ऐसे में उसकी निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पाकिस्तान की भूमिका को लेकर भी आलोचना हो रही है। माना जा रहा है कि इस्लामाबाद, बीजिंग के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी के तहत इस पहल को आगे बढ़ा रहा है, जिससे क्षेत्रीय राजनीति में उसकी स्थिति मजबूत हो सके।

होर्मुज पर असली खेल और छिपा एजेंडा

होरमुज़ जलसंधि को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। यह दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग है, और यहां स्थिरता की बात करना जरूरी है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि चीन का असली मकसद अपने ऊर्जा हितों को सुरक्षित करना है, न कि केवल वैश्विक शांति।।

जीडीपी में 2025 की बढ़ोतरी से ज्यादा का नुकसान

पश्चिम एशिया युद्ध की भारी कीमतः , रिपोर्ट में अहम खुलासा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव, अब पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। यह युद्ध जितना लंबा खिंच रहा है, वैश्विक स्तर पर उसका उतना ही गहरा असर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम एशिया के देशों ने बीते साल यानी 2025 में जितनी कुल जीडीपी बढ़ोतरी की थी, ईरान युद्ध में उससे ज्यादा का अब तक नुकसान हो चुका है। साथ ही ये भी कहा गया है कि युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचेगा, ये नुकसान और बढ़ता जाएगा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस युद्ध से पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं को उनकी सामूहिक जीडीपी का 3.7 से 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। यह नुकसान अधिकतम 194 अरब डॉलर तक हो सकता है। यह कुल आर्थिक नुकसान 2025 में पश्चिम एशिया क्षेत्र द्वारा हासिल की गई जीडीपी वृद्धि से भी अधिक हो सकता

है। 'मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडिल ईस्टः इकोनॉमिक एंड सोशल इम्प्लिकेशंस फॉर द अरब स्टेट्स रीजन' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बेरोजगारी दर में लगभग 4 प्रतिशत अंकों तक वृद्धि हो सकती है, जिससे करीब 36 लाख नौकरियां खत्म हो सकती हैं। यह संख्या 2025 में सृजित कुल नौकरियों से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते लगभग 40 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं। रिपोर्ट में क्षेत्र की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर किया गया है, जो यह दिखाती हैं कि अल्पकालिक सैन्य तनाव भी पश्चिम एशिया में लंबे समय तक व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मानव विकास सूचकांक के आधार पर पश्चिम एशिया का मानव विकास लगभग 0.2 से 0.4 प्रतिशत तक गिर सकता है, जो करीब आधे वर्ष से लेकर लगभग एक वर्ष तक की प्रगति के नुकसान के बराबर है। यूएनडीपी के अरब देशों के क्षेत्रीय ब्यूरो के निदेशक और संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव अब्दल्लाह अल दरदारी ने बताया, 'यह संकट क्षेत्र के देशों के लिए चेतावनी है कि वे अपनी राजकोषीय, क्षेत्रीय और सामाजिक नीतियों की रणनीति पर पुनर्विचार करें। यह क्षेत्र के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'हमारे निष्कर्ष इस बात पर जोर देते हैं कि क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना जरूरी है, ताकि अर्थव्यवस्थाओं को हाइड्रोकार्बन आधारित वृद्धि पर निर्भरता से बाहर निकालकर अर्थव्यवस्थाओं का विविधीकरण किया जा सके। साथ ही उत्पादन आधार का विस्तार हो, व्यापार और लॉजिस्टिक्स प्रणाली सुरक्षित बने और आर्थिक साझेदारियां बढ़ें।

मंगल पर था भरपूर पानी, धूल भरी आंधियों ने अंतरिक्ष में उड़ा दिया

टोक्यो/सेन्दाई, एजेंसी। कभी जलसमृद्ध रहा मंगल आज सूखा मरुस्थल क्यों बन गया, इस लंबे समय से अनसुलझे सवाल पर नई रोशनी डालते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि छोटे, स्थानीय धूलभरे-तूफान भी ग्रह के पानी को अंतरिक्ष में उड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। तोहोकू यूनिवर्सिटी समेत अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम के इस अध्ययन में सामने आया है कि ये तूफान जलवाष्प को ऊपरी वायुमंडल तक पहुंचाकर उसे तोड़ देते हैं, जिससे हाइड्रोजन अंतरिक्ष में निकल जाता है और पानी स्थायी रूप से खत्म होता जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार आज का मंगल एक ठंडा और सूखा ग्रह है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद प्राचीन जलधाराएं, पानी से बदले खनिज और अन्य भूगर्भीय संकेत बताते हैं कि कभी यहां प्रचुर मात्रा में पानी मौजूद था। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह पानी कहां और कैसे गायब हो गया। हालांकि कुछ प्रक्रियाएं पहचानी जा चुकी हैं, लेकिन मंगल के गायब पानी का बड़ा हिस्सा अब भी एक पहेली बना हुआ है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट जर्नल में प्रकाशित इस नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। शोध में पाया गया कि अपेक्षाकृत छोटे और

स्थानीय धूल-तूफान भी मंगल के उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान जलवाष्प को वायुमंडल में काफी ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने मार्टियन वर्ष 37 (पृथ्वी के 2022-2023) के दौरान एक असामान्य स्थानीय धूल-तूफान का अध्ययन किया। इस दौरान मंगल के मध्य वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा सामान्य स्तर से लगभग दस गुना तक बढ़ गई। इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी दर्ज नहीं की गई थी और मौजूदा जलवायु मॉडल भी इसकी भविष्यवाणी नहीं कर पाए थे। हाइड्रोजन का बढ़ना पानी के नुकसान का सीधा संकेत है। जलवाष्प के ऊंचाई तक पहुंचने के बाद वैज्ञानिकों ने एक्सोबेस,जहां से मंगल का वायुमंडल अंतरिक्ष में बदलने लगता है,पर हाइड्रोजन की मात्रा में तेज वृद्धि दर्ज की। यह स्तर सामान्य से 2.5 गुना अधिक था।

कई अंतरिक्ष मिशनों के डाटा से खुला राज: यह अध्ययन कई अंतरराष्ट्रीय मंगल मिशनों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। इनमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक्सोमार्स मिशन का ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) और उसका नोमैड उपकरण, नासा का मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) और एमिरेट्स मार्स मिशन (ईएमएम) शामिल हैं। ये सभी यान फिलहाल मंगल की कक्षा में सक्रिय हैं और लगातार डेटा भेज रहे हैं। यह अध्ययन संकेत देता है कि मंगल से पानी का नुकसान केवल बड़े वैश्विक तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी इस प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक समय का जलसमृद्ध ग्रह धीरे-धीरे सूखे और निर्जीव मरुस्थल में बदल गया।

● अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा

जन्मजात नागरिकता से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में शामिल होंगे

वॉशिंगटन, एजेसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे जन्मजात नागरिकता से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। देश की सबसे बड़ी अदालत उनके उस कार्यकारी आदेश पर सुनवाई करने वाली है, जिसमें उन्होंने इस पुरानी व्यवस्था को चुनौती दी है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वे अदालत में मौजूद रहेंगे, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है ऐसा ही होगा। मैं जरूर जाऊंगा। मैंने इस बहस को बहुत लंबे समय से सुना है।'

यह पूरा मामला ट्रंप की उस कोशिश पर टिका है, जिसमें वे अमेरिका में गैर-नागरिक माता-पिता से पैदा होने वाले बच्चों को मिलने वाली स्वचालित नागरिकता को खत्म करना चाहते हैं। वर्तमान में यह व्यवस्था संविधान के 14वें संशोधन के तहत लागू है। ट्रंप ने इस कानून को इतिहास के संदर्भ में पेश किया। उन्होंने कहा कि यह कानून गृहयुद्ध के बाद के समय के लिए था। उनके अनुसार, इसका असली मकसद पूर्व गुलामों के

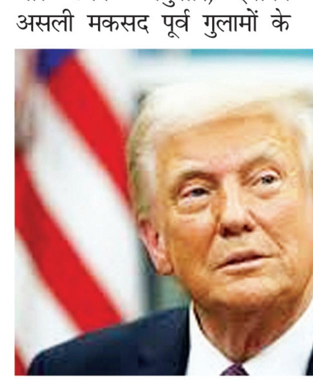

बच्चों को सुरक्षा देना और उन्हें नागरिकता का अधिकार दिलाना था।

ट्रंप ने तर्क दिया कि आज इस नीति का इस्तेमाल इसके असली उद्देश्य से भटक गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून उन करोड़पतियों और अरबपतियों के बच्चों को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के लिए नहीं बना था, जो केवल इसी मकसद से यहां आते हैं। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था को पूरी तरह गलत बताया। ट्रंप ने कहा, यह सबसे अजीब बात है जो मैंने कभी देखी है। कानूनी जानकारों ने वर्षों से इसे बहुत खराब तरीके से संभाला है।

राष्ट्रपति ने की नीति की आलोचना

राष्ट्रपति ने इस नीति के गलत इस्तेमाल की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोग यहां आते हैं और उन्हें बताया जाता है कि उनका पूरा परिवार अब अमेरिका का नागरिक बन जाएगा। ट्रंप को अपनी कानूनी दलीलों पर भरोसा है, लेकिन उन्होंने जजों के फैसलों को लेकर अपनी चिंता भी जाहिर की। उन्होंने डेमोक्रेटिक राष्ट्रपतियों द्वारा नियुक्त जजों का जिक्र करते हुए कहा, 'भले ही आपका केस कितना भी मजबूत क्यों न हो वे आपके खिलाफ ही फैसला सुनाएंगे।

क्या बड़ी तैयारी कर रहे नेतन्याहू: ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय देशों के साथ गठबंधन की योजना, समझिए कितनी असरदार

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि ईरान से युद्ध में अब इस्राइल कौन सी नई योजना बना रहा है और यह कितना असरदार होगा?

अपने संबोधन में इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल धीरे-धीरे नए क्षेत्रीय गठबंधनों का निर्माण कर रहा है, ताकि ईरान के खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि इस्राइल क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और इसे उन्होंने ईरानी खतरे का सामना करने के लिए जरूरी बताया। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच इस्राइल का यह कदम इस क्षेत्र में बदलते राजनीतिक परिदृश्य

और संघर्ष के बीच व्यापक सहयोग की ओर इशारा करता है। हालांकि अपने बयान में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी तक यह नहीं बताया कि ये कौन से देश हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही मैं इन महत्वपूर्ण समझौतों के बारे में और जानकारी साझा कर सकूंगा। ऐसे समय में इस्राइली प्रधानमंत्री का यह बयान यह संकेत देता है कि इस्राइल और अरब देशों के कुछ हिस्सों के बीच सहयोग बढ़ रहा है।

ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका से बातचीत करने से इनकार किया

कहा- भरोसे का स्तर शून्य पर है

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में अराघची ने साफ किया कि तेहरान को अमेरिकी कामों में कोई ईमानदारी नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत का अनुभव कभी अच्छा नहीं रहा है। अराघची ने बताया कि पुराने समझौतों की नाकामी और हालिया दुश्मनी की वजह से कूटनीतिक रास्ते बंद हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्षों पहले एक समझौता हुआ था, लेकिन अमेरिका बिना किसी ठोस वजह के उससे पीछे हट गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले साल और इस साल भी अमेरिका के साथ बातचीत हुई, लेकिन उसका नतीजा केवल अमेरिकी हमले के रूप में सामने आया।

सैन्य तैयारियों पर कही ये बात: मौजूदा तनाव के बीच विदेश मंत्री ने सैन्य तैयारियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना किसी भी संभावित अमेरिकी जमीनी

हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जमीनी हमला करना उसकी एक बड़ी गलती होगी। अराघची ने कहा, 'हम उनका इंतजार कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वे ऐसी हिम्मत करेंगे। वहां उनका सामना करने के लिए बहुत बड़ी ताकत तैयार बैठी है।'

ईरानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि अमेरिकी सेना को पहले ही काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के रडार, विमान और ईंधन ले जाने वाले टैंकरों को नुकसान पहुंचा है। अराघची के अनुसार, ईरान अपनी रक्षा करना अच्छी तरह जानता है। जमीनी जंग में वह और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान ने युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन उसने पूरी ताकत से अपना बचाव किया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलमार्ग के बारे में उन्होंने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि यह रास्ता फिलहाल केवल उन लोगों के लिए बंद है जो ईरान के साथ युद्ध कर रहे हैं। अराघची ने तर्क दिया कि यह जलमार्ग ईरान और ओमान की समुद्री सीमा में आता है। इसलिए इसका प्रबंधन करना इन दोनों देशों के लिए सामान्य बात है। उन्होंने कहा युद्ध के समय यह सामान्य है कि दुश्मन को व्यापार के लिए अपने समुद्री रास्तों का इस्तेमाल न करने दिया जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिल रहा है। कुछ अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने सुरक्षा और ऊंचे बीमा की वजह से इस रास्ते से दूरी बनाई है,।

कोलकाता 161 पर ऑलआउट; रघुवंशी की मेहनत पर फिरा पानी

हैदराबाद ने 65 रन से जीता मुकाबला

ईडन गार्डन्स। आईपीएल के 19वें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहली जीत हासिल की। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को उन्हीं के होमग्राउंड पर 65 रन से हरा दिया। यह 2024 की चैंपियन चयक्र की लगातार दूसरी हार है, इससे पहले टीम को मुंबई इंडियंस ने हराया था। वहीं SRH को बेंगलुरु से हार मिली थी। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में चयक्र ने बॉलिंग चुनी। हैदराबाद ने 8 विकेट खोकर 226 रन बनाए। कोलकाता 16 ओवर में 161 रन बनाकर सिमट गई। टीम से अंगकृष रघुवंशी ने फिफ्टी लगाई। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 और वैभव अरोड़ा ने 2 विकेट लिए।

SRH से हेनरिक क्लासन ने फिफ्टी लगाई, उन्होंने 4 विकेट गिर जाने के बाद नीतीश रेड्डी के साथ 82 रन जोड़े और टीम को 200 के पार पहुंचाया था। रेड्डी ने 39 रन बनाने के बाद 2 विकेट भी लिए। उनके अलावा ईशान मलिंगा को भी 2 विकेट मिले। जयदेव उनादकट ने 3 विकेट लिए। उनादकट ने 2 विकेट लेकर खत्म किया मैच 16वें ओवर में कोलकाता ने 2 विकेट गंवाए और टीम 161 रन पर सिमट गई। कार्तिक त्यागी को जयदेव उनादकट ने पांचवीं गेंद पर कॉट बिहाइंड करा दिया। वहीं आखिरी गेंद पर वरुण चक्रवर्ती को बोल्ड कर दिया। उनादकट ने अजिंक्य रहाणे का विकेट भी लिया था। मलिंगा को एक ओवर में 2 विकेट ईशान मलिंगा ने 15वें ओवर में 2 विकेट लिए। उन्होंने सुनील नरेन

और रमनदीप सिंह को कैच कराया। इसी के साथ कोलकाता ने 159 रन पर 8 विकेट गंवा दिए। सुनील नरेन 12 रन बनाकर आउट 15वें ओवर में कोलकाता ने 7वां विकेट गंवाया। ओवर की तीसरी बॉल ईशान मलिंगा ने फुलर लेंथ फेंकी। सुनील नरेन ने शॉट खेला, लेकिन लॉन्ग ऑन पर कैच हो गए। उन्होंने 12 रन बनाए। हैदराबाद के 150 रन पूरे 14वें ओवर में सनराइजर्स हैदराबाद ने 150 रन पूरे कर लिए। सुनील नरेन ने नीतीश रेड्डी के खिलाफ लगातार 2 छक्के लगाए और टीम को इस स्कोर के पार पहुंचा दिया।

लगातार दूसरा मैच हारी केकेआर

केकेआर 2012 के बाद पहली बार लगातार दो ओपनिंग मैच हारी है। हैदराबाद से पहले उसे मुंबई इंडियंस ने सत्र के शुरुआती मुकाबले में ही हराया था। वहीं, सनराइजर्स की 2020 के बाद कोलकाता के खिलाफ खेले 14 मुकाबलों में सिर्फ चौथी जीत है। वहीं, इडेन गार्डन्स पर खेले 12 आईपीएल मैचों में भी हैदराबाद की यह चौथी जीत है। जवाब में कोलकाता की टीम 16 ओवर में सिर्फ 161 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए अंगकृष रघुवंशी ने सर्वाधिक 52 रनों की पारी खेली।

ब्रीफ न्यूज़

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में आज तीरंदाजी और जगदलपुर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के नौवें दिन आज रायपुर में तीरंदाजी प्रतियोगिताएं और जगदलपुर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

रायपुर में कल महिला हॉकी फाइनल में ओडिशा ने मिजोरम को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पुरुष हॉकी फाइनल में भी ओडिशा ने झारखंड को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया है। पुरुष फुटबॉल के फाइनल में छत्तीसगढ़ का मुकाबला पश्चिम बंगाल से होगा।

इन खेलो की पदक तालिका में कर्नाटक 21 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य सहित कुल 36 पदकों के साथ पहले स्थान पर है। ओडिशा 17 स्वर्ण, 10 रजत और 16 कांस्य सहित 43 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और झारखंड 9 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य सहित 19 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बताया

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था।

जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा। जाम्पा ने कहा है कि वह पहले ब्रेक लेने वाले थे पर बाद में उन्हें लगा कि कुछ समय पीएसएल खेल लें।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला

विमेंस कैटगरी में दिव्या हारीं, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 8वें नंबर पर पहुंचीं

साइप्रस के पाफोस में चल रहे स्न्ढ्ढष्ठश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले। विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली। प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना दूसरे, अनीश गिरी तीसरे और आर प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर हैं। विमेंस कैटेगरी में चौथे राउंड के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली छठे और दिव्या सबसे नीचे 8वें नंबर पर हैं। गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट।

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

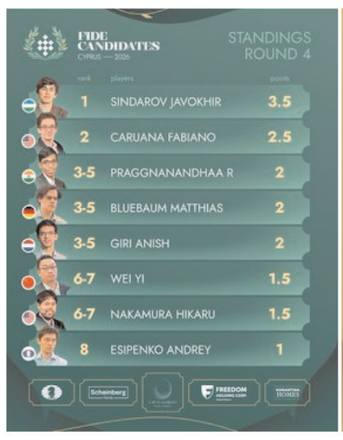

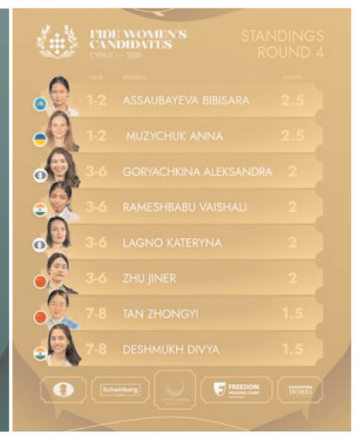

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड पर गंभीर आरोप

डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग के मैचों में दिव्यांग खिलाड़ी तो पानी पिला रहे

जो दिव्यांग नहीं वे खेलने उतरे

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पर आरोप है कि वह अपनी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता 'डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग' में ऐसे खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दे रहा है, जो तय मानकों के अनुसार दिव्यांग नहीं हैं। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना देखने वाले असली दिव्यांग क्रिकेटरों का रास्ता बंद हो रहा है।

जय चरण और एलेक्स जर्विस जैसे इंग्लैंड के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ियों के माता-पिता ने यह मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि लीग में उनके बेटों की जगह ऐसे खिलाड़ियों ने ले ली है, जो ईसीबी की लर्निंग डिसेबिलिटी (एलडी) यानी 'सीखने की अक्षमता' के मेडिकल मानदंड को पूरा ही नहीं करते हैं। एक अभिभावक का

अनुमान है कि हालिया ड्राफ्ट में चुने गए 64 में से 12 खिलाड़ी बिना किसी दिव्यांगता के हैं।

नियमों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस श्रेणी में खेलने के लिए खिलाड़ी का आईक्यू 75 या उससे कम होना चाहिए। लेकिन आरोप है कि ईसीबी ने लीग में ऐसे कई खिलाड़ियों को शामिल कर लिया है, जो इस सख्त पैमाने पर खरे नहीं उतरते। इनमें से कई तो मुख्यधारा का पेशेवर क्रिकेट खेलते हैं। उदाहरण के तौर पर इंग्लैंड की गेंदबाज एम्म अर्लोट, जिन्हें 2023 में ऑटिज्म और एडीएचडी डायग्नोज हुआ था, वो सामान्य क्रिकेट खेलती हैं।

इस गड़बड़ी का सीधा असर होनहार खिलाड़ियों पर पड़ रहा है। लीग इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग एवरेज और स्ट्राइक रेट वाले जय चरण और एक दशक से खेल रहे एलेक्स जर्विस को सिर्फ 'ड्रिंक्स कैरियर' (पानी पिलाने वाले) की भूमिका तक सीमित कर दिया गया। हताश होकर जय ने टूर्नामेंट ही छोड़ दिया। यॉर्कशायर डिसेबिलिटी टीम के मैनेजर ओवेन जर्विस का कहना है कि गलत तरीके से एलडी श्रेणी में रखे गए नए खिलाड़ी ही सारी बैटिंग और बॉलिंग कर रहे हैं।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

आठ साल में पहली बार जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

विश्व कप से पहले खेलेगी वनडे सीरीज

यूएएस। ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। टीम इसकी तैयारियों के लिए इस साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट इस साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की मेजबानी करेगी। इस दौरान तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज खेली जानी है। यह एक आठ साल में ऑस्ट्रेलिया का इस देश का पहला वनडे दौरा होगा। जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच 15 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद 18 सितंबर को दूसरे मैच का आयोजन होगा। सीरीज का अंतिम मैच 20 सितंबर को आयोजित होगा। सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे।

विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा दौरा यह सीरीज

आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी को लेकर जिम्बाब्वे के लिए एक अहम हिस्सा है, जिसकी सह-मेजबानी जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर करेगा। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर

माकोनी के मुताबिक, यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करके बहुत खुश हैं। उम्मीद है कि यह एक बेहद कड़े मुकाबले वाली वनडे सीरीज होगी। इस स्तर के मैच एक टीम के तौर पर हमारे लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक है। ऐसे में यह दौरा हमें दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेजबानी की तैयारी करने का एक अनमोल मौका देता है।

लंदन में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल मुकाबले में आर्सेनल की एलेसिया रुसो गेंद हासिल करने का प्रयास करती हुई।

7 महीने से टीम से बाहर थे, बोर्ड ने कॉन्ट्रैक्टरिन्यू नहीं किया

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रासी डुसेन ने संन्यास लिया

मुंबई। साउथ अफ्रीका के दिग्गज मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने साल 2026-27 के सीजन के लिए उनके सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू नहीं किया गया था, जिसके बाद 37 साल के खिलाड़ी ने यह फैसला लिया। डुसेन पिछले 7 महीनों से नेशनल टीम का हिस्सा नहीं थे और उन्होंने अपना आखिरी मैच अगस्त 2025 में खेला था। उन्होंने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके यह जानकारी दी। घरेलू टीम लायंस के लिए वे खेलते रहेंगे, फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी हिस्सा लेंगे।

डुसेन ने लिखा,'भारी मन के साथ मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। प्रोटियाज की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।'

वनडे में डिविलियर्स के बाद सबसे शानदार औसत

रासी वैन डर डुसेन का वनडे करियर बेहद प्रभावी रहा। उन्होंने 71 वनडे मैचों में करीब 52 की औसत से रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका के इतिहास में महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है। उन्होंने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक जड़े। खास बात यह रही कि 2019 में अपने डेब्यू के बाद शुरुआती 9 मैचों में ही उन्होंने 5 फिफ्टी लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली थी।

टेस्ट में नहीं लगा सके एक भी शतक

जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट (वनडे और टी-20) में डुसेन का दबदबा रहा, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उनकी कहानी कुछ अधूरी सी रही। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतक लगाए और एक बार 98 रन पर आउट होकर शतक से चूक गए। 2021-22 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था और उसके बाद उन्होंने कोई फर्स्ट क्लास मैच भी नहीं खेला।

डिविलियर्स की वापसी पर खुलकर रखी थी राय

2019 वर्ल्ड कप के दौरान जब एबी डिविलियर्स ने संन्यास से वापसी की पेशकश की थी, तब डुसेन ने इस मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने स्वीकार किया था कि अगर डिविलियर्स वापस आते, तो इसका सीधा असर उनके चयन पर पड़ता। उस खराब वर्ल्ड कप अभियान में भी डुसेन साउथ अफ्रीका के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इसके बाद 2023 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी वे टीम के टॉप स्कोरर में शामिल रहे।

रसी वान डर डुसेन का करियर

प्रारूप	मैच	पारियां	रन	औसत	शतक	अर्धशतक
टेस्ट	18	32	905	30.16	0	6
वनडे	71	65	2657	50.13	6	17
T20I	57	53	1406	33.47	0	10
फर्स्ट क्लास	138	234	8546	41.08	17	47
लिस्ट-ए	169	160	6333	46.56	14	38
T20	254	242	7295	36.84	5	45

राासी वैन डार डुसैन

इंटरनेशनल क्रिकेट करियर

टेस्ट
905 रन
मैच-18
50/100: 6/0

वनडे
2657 रन
मैच-71
50/100: 17/6

टी-20
1406 रन
मैच-57
50/100: 10/0

अब मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे डुसेन

संन्यास के बाद डुसेन अपनी घरेलू टीम 'लायंस' के लिए खेलना जारी रखेंगे और दुनिया भर की टी-20 लीग्स (जैसे टी-20 में MI केप टाउन) में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को सिखाना और उन्हें मेंटर करना है।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका के डायरेक्टर एनोक नक्वे ने उनकी तारीफ करते हुए कहा,'रासी केवल एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि ड्रेसिंग रूम की एक मजबूत आवाज थे जिन्होंने टीम कल्चर को बेहतर बनाने में मदद की।

CRPF-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, जंगलों में छिपाए गए विस्फोटक और हथियार जब्त; बड़ी साजिश नाकाम

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में नक्सल विरोधी अभियान के बीच सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। सीआरपीएफ की 85वीं बटालियन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने जंगलों में छिपाकर रखे नक्सलियों के दो डंप बरामद कर भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री जब्त की है। 85वीं बटालियन द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत 31 मार्च को गंगालूर थाना क्षेत्र के पेद्दाजोजेर, एन्डरी, लेण्ड्रा और कोरचोली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसमें पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव के मार्गदर्शन और 85वीं बटालियन के कमांडेंट सुनील कुमार राही की निगरानी में टीमों को जंगल में उतारा गया।

कई टीमों ने मिलकर घेरा इलाका -31 मार्च को सुबह से पेद्दाजोजेर, एन्डरी, लेण्ड्रा और कुरचोली के घने जंगलों में सर्चिंग शुरू हुई। ऑपरेशन में द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश उरांव, सहायक कमांडेंट दिनेश कुमार,उप कमांडेंट कुलदीप सिंह औरनिरीक्षक संजय कुमारकी टीमों ने अलग-अलग इलाकों में तलाशी ली।

पहले डंप में मिला खतरनाक सामान-पेद्दाजोजेर के दुर्गम इलाके में मिले पहले डंप से 2 नग .303 राइफल, 94 जिंदा कारतूस, 9 एमएम राउंड, डेटोनेटर, भरमार बंदूकें, वॉकी-टॉकी, बाइनाकुलर, देशी बीजीएल सलॉन्चर, बीजीएल राउंड, जिलेटिन स्टिक, मोर्टार बम और कार्डेक्स वायर समेत बड़ी मात्रा में सामान बरामद हुआ।

दूसरे डंप में भारी हथियारों का जखीरा -इसके बाद लेण्ड्रा इलाके में सर्च के दौरान दूसरा डंप मिला। यहां से 303 राइफल, 4 भरमार बंदूकें, देशी व फैक्ट्री मेड स्टेन गन, 87 बीजीएल राउंड, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, सल्फर, यूरिया, कार्डेक्स वायर और अन्य सामग्री जब्त की गई।

इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी -कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। सुरक्षा बल आसपास के जंगलों में लगातार तलाशी ले रहे हैं और नक्सल गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

पत्नी की हत्या के बाद पकड़ा गया आरोपीः बिलाईगढ़ में गमछा से गला घोंटकर वारदात, पुलिस की तत्परता से हुई गिरफ्तारी..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खजरी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पति ने अपनी पत्नी की गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

आधी रात को पिता को दी जानकारी-घटना के अनुसार 3 अप्रैल की सुबह प्रार्थी सुखीराम साहू (70 वर्ष) थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 2 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे उनका बेटा राजेश साहू उन्हें जगाकर बताया कि उसने अपनी पत्नी कुन्ती साहू की हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

ग्रामीणों की मदद से आरोपी गिरफ्तार-जांच के दौरान आरोपी राजेश साहू (40 वर्ष) भागने की फिराक में था, जिसे ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने गमछा से गला घोंटकर हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त गमछा भी जब्त किया, जिसे वह जलाकर नष्ट करने की कोशिश कर रहा था।

विवाद बना हत्या की वजह-प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी को शराब पीने की आदत थी और घटना की रात पति-पत्नी के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने गुस्से में आकर यह खौफनाक कदम उठाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफसंबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद थमे अवैध परिवहन के पहिएः कंटगपाली में 8 ट्रैक्टर जब्त, दिनभर सड़क पर पसरा सन्नाटा..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में अवैध खनिज परिवहन और उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में सरिया तहसील के ग्राम कंटगपाली में बिना वैध दस्तावेज के डोलोमाइट परिवहन करते 8 ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना सरिया के सुपुर्द किया गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में सामने आई शिकायत और खबरों के बाद प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए यह बड़ी कार्रवाई की है।

टास्क फोर्स की संयुक्त कार्रवाई-जिले में गठित टास्क फोर्स में सरिया तहसील के तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू और थाना प्रभारी प्रमोद यादव की संयुक्त टीम ने साथ मिलकर यह कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान कंटगपाली-मौहपाली क्षेत्र में कई ट्रैक्टर बिना किसी वैध दस्तावेज के डोलोमाइट परिवहन करते पाए गए, जिसके बाद मौके पर ही जब्ती की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के बाद थमे पहिए, सड़क पर पसरा सन्नाटा-इस कार्रवाई का सीधा असर क्षेत्र में देखने को मिला। अवैध पत्थर परिवहन करने वाले वाहनों के पहिए थम गए और पूरे दिन सड़क पर सन्नाटा छाया रहा। ई दौरान कार्रवाई से बचने के लिए कुछ वाहन सड़क किनारे झुंड में छिपते दिखे तो कुछ गोदामों में, जहां पहले लगातार ट्रैक्टरों की आवाजाही रहती थी, वहीं कार्रवाई के बाद मार्ग लगभग सूना नजर आया, जिससे प्रशासन की सख्ती साफ झलक रही है।

शिकायतों के बाद हुआ एक्शन-बता दें कि प्रशासन को इस क्षेत्र में लंबे समय से अवैध डोलोमाइट उत्खनन और परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं। इसके अलावा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने भी गुरुवार को थाना प्रभारी सरिया को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें यह बताया गया था कि ओवरलोड वाहनों के द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने के कारण सड़क पर पत्थर गिर रहे है जिससे दुर्घटनाएं हो रही है, इन्हीं शिकायतों के आधार पर शुक्रवार को यह विशेष अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान पकड़े गए सभी ट्रैक्टरों को सरिया थाने में सुरक्षित रखा गया है।

आगे भी जारी रहेगी सख्ती-सरिया तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू ने स्पष्ट किया है कि इस कार्रवाई की रिपोर्ट जिला खनिज विभाग को भेजी जाएगी, जहां से जुर्माना और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि सरिया तहसील के अन्य क्षेत्रों में भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि अवैध खनिज गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

बिलाईगढ़-पत्नी के तानों से नाराज पति ने गमछे से घोंटा गला

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खजरी में एक बेहद सनसनीखेज और खौफनाक घटना हुई, जहां एक पति ने अपनी ही पत्नी की बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी है । प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी पति राजेश साहू और उसकी पत्नी कुंती साहू के बीच विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब पीने का आदी था और कोई काम नहीं करता था। पत्नी कुंती द्वारा इसी बात को लेकर ताने मारने पर विवाद इतना बढ़ गया कि राजेश ने अपना आपा खो दिया। उसने गुस्से में आकर गमछे से अपनी पत्नी का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। बिलाईगढ़ एसडीओपी विजय ठाकुर और फॉरेंसिक की टीम ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति राजेश साहू को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस इस पूरे मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

भीम आर्मी संगठन विस्तार में OBC और मुस्लिम चेहरों को बड़ी जिम्मेदारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रायगढ़ =भीम आर्मी भारत एकता मिशन रायगढ़ के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष सुश्री कुसुम बघेल जी के नेतृत्व में संगठन का विस्तार अपने जोर पर है। इसी कड़ी में जुटमिल निवासी शेख सैदर अली जी को एवं आशीष देवांगन निवासी गोपालपुर को भीम आर्मी ने सम्मानजनक पद से नवाजा है और जिला उपाध्यक्ष के बड़े पद पर नियुक्त किया है। बता दें कि दोनों ही बहुजन मिशन और अंबेडकरवाद के पहले से सिपाही रहे हैं तथा सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा लेते रहे हैं। उनके अंबेडकरवाद को लेकर समर्पण को ध्यान में रखते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी गई है।

कांकेर-नारायणपुर सीमा पर बड़ी कार्रवाई, जंगल से 2 प्रेशर कुकर आईईडी बरामद कर किया गया निष्क्रिय

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-उत्तर बस्तर कांकेर जिले के परतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती जंगल-पहाड़ी इलाके में जिला पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए आईईडी को बरामद कर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम मुरूसुलनापा के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों को दो प्रेशर कुकर आईईडी बरामद हुए। प्रत्येक आईईडी में करीब 5-5 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी, जिसे नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाया गया था। सूचना मिलते ही बीएसएफ की बम निरोधक दस्ते (BDS) टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों आईईडी को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर नष्ट कर दिया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी., बीएसएफ उप महानिरीक्षक दीपक तिवारी, पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल कुमार राखेचा और 83वीं वाहिनी बीएसएफपखांजूर के सेनानी अरुण सिंह गंगवार के मार्गदर्शन में संचालित नक्सल विरोधी अभियान के तहत की गई। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की तलाश और उन्हें निष्क्रिय करने की कार्रवाई लगातार जारी है। इस संबंध में थाना परतापुर में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी की हत्या के बाद पकड़ा गया आरोपीः बिलाईगढ़ में गमछा से गला घोंटकर वारदात, पुलिस की तत्परता से हुई गिरफ्तारी..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खजरी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पति ने अपनी पत्नी की गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

आधी रात को पिता को दी जानकारी-घटना के अनुसार 3 अप्रैल की सुबह प्रार्थी सुखीराम साहू (70 वर्ष) थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 2 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे उनका बेटा राजेश साहू उन्हें जगाकर बताया कि उसने अपनी पत्नी कुन्ती साहू की हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

ग्रामीणों की मदद से आरोपी गिरफ्तार-जांच के दौरान आरोपी राजेश साहू (40 वर्ष) भागने की फिराक में था, जिसे ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने गमछा से गला घोंटकर हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त गमछा भी जब्त किया, जिसे वह जलाकर नष्ट करने की कोशिश कर रहा था।

विवाद बना हत्या की वजह-प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी को शराब पीने की आदत थी और घटना की रात पति-पत्नी के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने गुस्से में आकर यह खौफनाक कदम उठाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफसंबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध कब्जे पर चला राजस्व विभाग का बुलडोजर

अवैध बाउंड्रीवाल और अवैध सड़क को हटाकर नाले का प्रवाह किया गया बहाल

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते अतिक्रमण के मामलों पर कठोर रुख अपनाते हुए आज तहसील रायगढ़ एवं तहसील पुसौर में राजस्व विभाग द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान संचालित किया गया। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमणों को हटाते हुए बेदखली की कार्यवाही की गई। नगर निगम सीमा से लगे ग्राम बड़े रामपुर में शासकीय भूमि रकबा 07 डिसमिल पर अनाधिकृत रूप से संचालित फेब्रिकेशन दुकान को ध्वस्त किया गया तथा मुख्य सड़क मार्ग से लगी लगभग 10 डिसमिल भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। ग्राम सांगीतराई में स्थानीय नागरिकों से प्राप्त शिकायत के आधार पर खसरा नंबर 382, रकबा 0.243 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर अनुभव बिल्डर्स द्वारा की जा रही अवैध बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर भूमि को कब्जामुक्त किया गया। तहसील पुसौर के ग्राम छातामुड़ा में भूमिस्वामी ओंकार सिंह बग्गा द्वारा अपने भूमिस्वामी हक से लगी शासकीय भूमि पर कालोनाइजेशन के उद्देश्य से सड़क निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था। खसरा नंबर 252 अंतर्गत लगभग 2400 वर्गफुट भूमि पर किए गए इस अतिक्रमण के कारण एक प्राकृतिक नाले का प्रवाह भी अवरुद्ध हो रहा था। जनशिकायत के आधार पर राजस्व विभाग ने उक्त अवैध सड़क को ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया तथा नाले का प्रवाह बहाल किया। इसी प्रकार तहसील पुसौर के ग्राम लोहरसिंग में राष्ट्रीय राजमार्ग से लगी शासकीय भूमि पर कब्जा करने के उद्देश्य से एक निजी व्यक्ति द्वारा प्रीकास्ट वॉल खड़ी की गई थी। उक्त अतिक्रमण को भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ध्वस्त कर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की संभावना को समाप्त किया गया। अभियान के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महेश शर्मा, तहसीलदार रायगढ़ श्री शिव कुमार डनसेना एवं नायब तहसीलदार रायगढ़ श्री हरनंदन बंजारे सहित राजस्व विभाग की टीम उपस्थित रही। अधिकारियों ने बताया कि शासकीय भूमि की सुरक्षा एवं अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु यह अभियान आगे भी सतत रूप से जारी रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।